Dimethomorph 50% WP
SOLITON®
(Systemic Fungicide)

Dimethomorph 50% WP is a systematic fungicide used to control Downy Mildew disease in grapes and Late Blight disease in Potatoes.

Recommendation:

Crop	Common name of Disease	Dosage / ha A.I. (Grams)	Formulation (Grams)	Water (Litres)	Waiting Period (Days)
Grapes	Downy mildew *(Plasmopara viticola)*	500	1000	750	25
Potato	Late blight *(Phytophthora infestans)*	500	1000	750	16

Direction Of Use: Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified thorough agitation for high volume of application through knapsack sprayers or high volume sprayers.

Time of Application: To be used as prophylactic treatment.

Re- entry Period : 24 hours.

Crop Stage: Dimethomorph 50% wp is a fungicide to be applied on the above mentioned crops with the onset of disease.

Frequency: 2-3 depending upon the disease severity

Weather condition: should be used during favourable weather condition and should not be used during extreme weather condition.

Soil and water(where ever applicable): Light to heavy soil, clean water to be used for the spray.

Phytotoxicity: Not Phytotoxic at recommended dosage.

Stages during which pesticide should not be applied on any crop: Not to be applied during crop maturity and just before harvest , precaution should be taken to avoid harm to the beneficial insect like honey bees and natural enemy of Pests.

Precautions: 1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillage or splashes. Do not mix with bare hands. 2. The user should use full protective clothing which includes rubber gloves, boots, either face shield or dust mask and overall or rubber apron or hat. 3.Wash contaminated clothes and parts of the body after application. 4. Do not smoke, drink, eat and chew anything during application.

Symptoms Of Poisoning:
The early symptoms may be dullness, salivation, respiratory distress combination of nausea, vomiting.

First Aid:
In case of skin contact, remove contaminated clothing, wash skin with water, using soap, if available. In case of eye contact, flush eyes with plenty of water. In case of ingestion do not induce vomiting and give nothing by mouth. Call for doctor immediately.

Antidote:
There is no specific antidote. Treat the patient symptomatically.

Disposal Of Used Container:
1. Packages or surplus materials and washing from the machines and containers should be disposed or in safe manner as to prevent environmental and water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Storage Conditions:
1. The package containing the fungicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of fungicide. 2. The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, airy, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Warning : 1. Not to be used on crops and pests other than those mentioned on label and leaflets, 2. Not to be used for Post – Harvest Application, 3. Destroy the container after use as directed on leaflet. 4. Directions and dosage for poly houses and confined area – Refer the leaflet. 5.Toxic to Fish.

Chemical Composition:

Ingredient:	Weight (%w/w)
Sodium di-isopropyl Napthalene sulfonate	3.50
Dimethomorph Tech. (95.50 % Min.Purity)	52.35
Light Kaoline I.P. grade (75 micron-size)	40.65
Calcium Ligno sulfonate	3.50
Total	100

DANGEROUS TO RE-USE THE EMPTY CONTAINERS
For Agricultural Use Only

डाइमेथोमॉर्फ ५० प्रतिशत घुलनशील चूर्ण
सोलीटन
(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

डाइमेथोमॉर्फ ५० प्रतिशत घुलनशील चूर्ण एक अन्तरप्रवाही तरीके से करने वाला फफूँदीनाशक है, जिस अंगूर पर लगने वाली मृदुरोमिल फफूँदी तथा आलू की पछेती अंगमारी बीमारी की रोकथाम के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

उपयोग:

फसल	बिमारी का सामान्य नाम	मात्रा प्रति हेक्टेयर सक्रिय तत्व (ग्राम)	संरचना (ग्राम)	पानी (लीटर)	प्रतीक्षा अवधि दिनों में
अंगूर	मृदुरोमिल फफूँदी *(प्लासमोपैरा विटिकोला)*	५००	१०००	७५०	२५
आलू	पछेती अंगमारी *(फायटोफ्थोरा इन्फेस्टैन्स)*	५००	१०००	७५०	१६

उपयोग के लिए दिशा–निर्देश: उत्पादन की अपेक्षित मात्रा को ले और थोडे से पानी में मिलाये। अच्छी तरह मिलाने के बाद उसमें शेष पानी मिलाऐं। इस घोल को पीठ पर लटकाने वाले छिडकाव यन्त्र या आयतन वाले छिडकाव यन्त्र से छिडकाव करें।

प्रयोग के समय: प्रोफिलैक्टिक उपचार के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए.

पुनःप्रविष्टि : २४ घंटे।

फसल की अवस्था : डोमेथोमोर्फ ५०% डब्लूपी एक कवकनाशी है जिसका उपयोग उपरोक्त फसलों में रोग शुरू होते ही करना होता है.

प्रयोग की आवृत्ति : रोग की तीव्रता के आधार पर इसका प्रयोग २–३ बार करना चाहिए.

मौसम की स्थिति: इसका प्रयोग तब करना चाहिए जब मौसम की स्थिति अनुकूल हो और अत्यधिक प्रतिकूल मौसम की स्थिति में इसके प्रयोग से बचना चाहिए.

मिटटी एवं जल: (जहां भी लागू हो) हल्की से भारी मिटटी में, स्प्रे के लिए साफ पानी का उपयोग करना चाहिए.

फाइटोटॉक्सिसिटी : सिफारिश की गयी मात्रा के प्रयोग से टॉक्सिसिटी उत्पन्न नहीं होता है.

किसी भी फसल की वे सभी अवस्थाएं जब कीटनाशकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए : फसल पकने के समय और कटाई से ठीक पहले इसका उपयोग नहीं करना चाहिए, मधुमक्खियों और हमारे मित्र कीड़ों के विनाश को रोकने के लिए विशेष ध्यान रखना चाहिए.

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां:
१. फफूंदनाशक को मिलाते या बनाते समय छलकन या उसके कणों से त्वचा का संपर्क न होने दें। नंगे हाथों दवा का मिश्रण न करें। २. प्रयोग करने वालो को सुरक्षा के लिए रबड के दस्ताने, नम बूंद, चहरे पर नकाब, रबड ऐप्रन या शरीर को ढकने वाला कपडा पहनना चाहिए।३. छिडकाव के बाद दूषित कपडों और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं। ४. छिडकाव करते समय खाना, पीना या धूम्रपान नहीं करना चाहिए।

विष के लक्षण:
प्रारंभिक लक्षण के बतौर सुस्ती लार आना, सांस लेने मे तकलीफ, मितली व वमन दोनो हो सकते है।

प्राथमिक चिकित्सा:
यदि त्वचा दुषित हो जाये ,तो संदूषित कपडो को निकाल दो। साबुन व पानी से शरीर को अच्छी तरह धोयें। आँखे दुषित हो जायें तो खूब सारे पानी से उनका प्रक्षालन करें। पेट में जाने पर वमन करायें। खाने के लिए कुछ भी न दें। तुरंत डॉक्टर को बुलाये।

विष नाशक:
कोई विष हरने वाली खास दवा नहीं है। लक्षण के अनुसार उपचार करें। बच्चों की पहुँच से दूर रखें। यदि निगली गई या विषाक् तता के लक्षण दिखालाई दे, तो तुरंत डॉक्टर को बुलाये। खुली आँच व गर्मी से सूखी–ठण्डी जगह में रखें।

खाली डिब्बों का निपटारा:
१. पैकट, बची हुई दवा, मशीन कन्टनरों के धोवन के पानी को इतनी सुरक्षापूर्वक निपटायें कि पानी और पर्यावरण दूषित न होने पायें। २. खाली कन्टेनर या पैकट को दुबारा इस्तेमाल में न लायें। ३. उनको तोडकर निवास स्थान से दूर, निर्जन मे गहरे गाड दें।

संग्रहण की सर्ते:
१. फफूँदीनाशक के पैकेट को खाने पीने की चीजों तथा अन्य वस्तुओं को रखे जाने वाले कमरे या परिसर से अलग, फफूँदीनाशक का मात्रा और स्वरूप के अनुसार ताला–चाबी की व्यवस्था के अंतगर्त सुरक्षा पूर्वक रखना चाहिए। २. भण्डारण की जाने वाली जगह लंबी–चौडी, हवादार,मजबूती से बनी हो, ताकि फफूँदीनाशक के वाष्प से वातावरण दूषित न हो।

चेतावनी : १. लिफलेट और लेबल मे सिफारिश किये हुवे फसलों और किट के सिवा अन्य पर इस्तेमाल न करें। २. फसल कटाई के बाद किये जाने वाले अन्य उपचार मे शामील न करें। ३. इस्तेमाल के बाद डब्बों को लिफलेट मे दिये हुवे तरीके से नष्ट करें। ४. पॉली हाउस और सिमीत श्रेत्र के लिये इस्तेमाल का तरीका और मात्रा के लिये लिफलेट पढें। ५. मछलियों के लिए विषाक्त है।

रासायनिक संरचना:

घटक	वजन(%भार/भार)
सोडियम डाइ आइसोप्रोपाइल नैपथलीन सलफोनेट	३.५०
डाइमेथोमॉफ टेकनिकल (९५.५० प्रतिशत शुद्धता)	५२.३५
महीन कोओलाइन आइ.पी.ग्रेड (७५ माइकॉन आकार)	४०.६५
कैलसियम लिग्नो सल्फोनेट	३.५०
कुल	१००

खाली डिब्बों का दुबारा प्रयोग करना खतरनाक है।
केवल कृषि उपयोग के लिए

डायमेथोमॉर्फ ५०% डब्ल्यू. पी.
सोलीटन
(अंतरप्रवाही बुरशीनाशक)

डायमेथोमॉर्फ ५०% डब्ल्यू. पी. हे एक अंतरप्रवाही बुरशीनाशक असून द्राक्षावरील डाऊनी मिल्ड्यू रोगावर आणि बटाट्यावरील लेट ब्लाईट रोगावर नियंत्रण ठेवण्यासाठी याचा उपयोग करण्यात येतो.

वापर :

पीक	रोगाचे सर्वसाधारण नाव	प्रतिहेक्टरी मात्रा स.त. (ग्रॅम)	संरचना (ग्रॅम)	पाणी (लिटर)	प्रतीक्षा काळ (दिवस)
द्राक्ष	डाऊनी मिल्ड्यू *(प्लास्मोपॅरा व्हिटिकोला)*	५००	१०००	७५०	२५
बटाटा	लेट ब्लाईट *(फायटोफ्थोरा इंफेस्टान्स)*	५००	१०००	७५०	१६

वापरासाठी निर्देश :
उत्पादन आवश्यक त्या प्रमाणात मोजून घ्या आणि थोड्याशा पाण्यात नीट मिसळा. मिश्रण नीट ढवळा आणि जोरजोरात ढवळताना त्यात उरलेलं पाणी घाला. फवारणीसाठी नॅपसॅक स्प्रेयर किंवा मोठ्या आकारमानाचा स्प्रेयर वापरा.

फवारणी करण्याची वेळ: रोगप्रतिबंधक उपचार म्हणून वापरण्यासाठी.

पुन: प्रवेश कालावधी: २४ तास.

पिकाची अवस्था: डायमेथोमॉर्फ ५०% डब्ल्यूपी हे बुरशीनाशक आहे जे रोगाच्या प्रारंभी वर नमूद केलेल्या पिकांवर फवारावे.

वारंवारता: रोगाच्या तीव्रतेवर अवलंबून २–३.

हवामानाची स्थिती: अनुकूल हवामानाच्या परिस्थितीत वापरावे आणि अत्यंत हवामानाच्या परिस्थितीत वापरू नये.

माती आणि पाणी (जेथे लागू असेल): हलकी ते भारी माती, फवारणीसाठी स्वच्छ पाणी वापरावे.

रोपविषकारता: शिफारस केलेल्या प्रमाणामध्ये रोपविषकारक नाही.

ज्या अवस्थेत कीटकनाशक कोणत्याही पिकावर फवारू नये: पीक परिपक्वतेच्या वेळी आणि काढणीपूर्वी फवारणी नये. मधमाशा आणि कीटकांचा नैसर्गिक शत्रु सारख्या फायदेशीर कीटकांना हानी पोहोचू नये म्हणून खबरदारी घ्यावी.

दक्षता :
१. द्रावण बनवताना सांडल्यामुळे किंवा शिंतोडे उडाल्यामुळे त्वचेशी प्रत्यक्ष संपर्क येणार नाही किंवा हुंगल्यामुळे नाकात/घशात जाणार नाही याची काळजी घ्या. उघड्या हातांनी मिश्रण करू नका.
२. वापरकर्त्या व्यक्तीने रबराचे हातमोजे, बूट, चेहऱ्यावर मुखवटा, टोपी व रबराचा एप्रन यासारखा संरक्षक पोषाख करणे आवश्यक आहे.
३. उपयोग केल्यानंतर दूषित कपडे आणि शरीराचे काही भाग धुवा.
४. उपयोग करताना धूम्रपान, मद्यपान, खाऊ आणि काहीही चावू नका.

विषबाधेची लक्षणे :
विषबाधेच्या सुरुवातीच्या लक्षणांमध्ये सुस्ती, लाळ गळणे, श्वास घेण्यास त्रास, मळमळ, ओकारी, यांची कोणत्याही प्रकारे एकत्रित अनुभव येऊ शकतात.

प्रथमोपचार :
जर त्वचेशी संपर्क झाला असेल तर ताबडतोब कपडे बदला आणि साबण लावून भरपूर पाण्याने त्वचा स्वच्छ धुवा. जर डोळ्यात गेले असेल तर भरपूर पाण्याने डोळे स्वच्छ धुवा.जर घशात किंवा पोटात गेले असेल तर जबरदस्तीने उलटी करू नका आणि काहीही खाऊ नका. डॉक्टरला ताबडतोब बोलवा.

उतारा :
कोणताही विशिष्ट उतारा नाही. लक्षणे पाहून उपचार करा.

खोक्यांची विल्हेवाट :-
१. अतिरिक्त द्रावण, खोके आणि हाताळण्याची साधने धुतल्यानंतरचे सांडपाणी यांची, पर्यावरण व पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही अशा रीतीने विल्हेवाट लावावी.
२. वापरलेल्या खोक्यांचा पुनर्वापर टाळण्यासाठी ते उघड्यावर टाकू नयेत.
३. असे खोके, मोडतोड करून, वस्तीपासून दूर पुरून टाकावेत.

साठवणूक :
१. बुरशीनाशकाचे खोके, अन्य वस्तू, विशेषत: खाद्यपदार्थ ठेवण्याच्या जागेपासून दूर, स्वतंत्र खोलीत ठेवा. शक्य असेल तर स्वतंत्र कपाटात, कडीकुलूप लावून बंदिस्त जागेत ठेवा.
२. बुरशीनाशक साठवणूक करण्याची खोली मजबूत बांधाणीची, हवेशीर, भरपूर उजेड व खेळती हवा असलेली आणि योग्य लांबी रूंदीची असावी. यामुळे बाष्प खोलीत साठून राहणार नाही.

चेतावनी : १. लेबल व लिफलेट वर शिफारस केलेली पिके आणि कीटकांशिवाय इतर वर वापर करु नये. २. पोस्ट हार्वेस्ट अनुप्रयोग करीता वापरण्याजोगी नाही. ३. लिफलेट मधे निर्देशित केल्या प्रमाणे वापरानंतर डब्यांची विल्हेवाट लावा. ४. दिशा आणि पॉली हाऊससाठी प्रमाण आणि मर्यादीत क्षेत्रासाठी लिफलेट पहा.५.माश्यांसाठी विषारी.

रासायनिक घटक :

घटक	प्रमाण (% व./व.)
कॅल्शियम लिग्नो सल्फोनेट	३.५०
डायमेथोमॉर्फ टेक्निकल (९५.५०% किमान शुद्धता)	५२.३५
लाईट केओलिन आय्.पी.ग्रेड (७५ मायक्रॉन-आकार)	४०.६५
सोडियम-डाय-आयसोप्रोपिल नॅफ्थॅलीन सल्फोनेट	३.५०
एकूण	१००.००

वापरलेल्या डब्यांचा पुर्नवापर धोकादायक.
फक्त शेतीय उपयोगकरिता

ડાયમેથોમોર્ફ ૫૦% ડબ્લ્યૂ પી
સોલીટન
(આંતરપ્રવાહી ફૂગનાશક)

ડાયમેથોમોર્ફ ૫૦% ડબ્લ્યૂ પી એક આંતરપ્રવાહી ફૂગનાશક છે જે દ્રાક્ષમાં થતા ડાઉની મિલ્ડ્યૂના રોગ અને બટેટામાં થતા લેટ બ્લાઈટ રોગના નિયંત્રણ માટે વપરાય છે.

વપરાશ :

પાક	રોગનું સામાન્ય નામ	હેક્ટર દીઠ માત્રા સ. ઘ. (ગ્રામ)	સંયોજન (ગ્રામ)	પાણી (લીટર)	પ્રતિક્ષા ગાળો (દિવસ)
દ્રાક્ષ	ડાઉની મિલ્ડ્યૂ *(પ્લાઝમોપેરા વિટિકોલા)*	૫૦૦	૧૦૦૦	૭૫૦	૨૫
બટેટા	લેટ બ્લાઈટ *(ફાઈટોફથોરા ઈન્ફેસ્ટન્સ)*	૫૦૦	૧૦૦૦	૭૫૦	૧૬

ઉપયોગની સૂચના:
ઉત્પાદનની જોઈતી માત્રા માપી લઈ તેને થોડા પાણીમાં ભેળવી લો, ત્યારબાદ સતત એકસરખું હલાવી બાકીનું પાણી ઉમેરો. છંટકાવ માટે નૅપસેક સ્પ્રેયર અથવા ઉચ્ચ ક્ષમતાના સ્પ્રેયર ધરાવતા ઉપયોગ કરો.

છંટકાવનો સમય: પ્રોફાયલેક્ટિક ઉપચાર તરીકે ઉપયોગ કરી શકાય.

પુનઃપ્રવેશ અવધિ : ૨૪ કલાક.

પાકના તબક્કા: ડિમેથોમોર્ફ ૫૦% ડબ્લ્યુપી રોગ લાગુ થવા સાથે ઉક્ત ઉલ્લેખિત પાક પર છંટકાવ કરવાનું ફૂગનાશક છે.

સાતત્યતા: રોગની તીવ્રતાને આધારે ૨–૩.

હવામાનની સ્થિતિ: તરફેણકારી હવામાનની સ્થિતિ દરમિયાન છંટકાવ કરવો જોઈએ અને તીવ્ર હવામાનની સ્થિતિમાં ઉપયોગ નહીં કરવો જોઈએ.

માટી અને પાણી (જ્યાં લાગુ હોય): હલકીથી ભઘારે માટી, સ્વચ્છ પાણીનો ઉપયોગ છંટકાવ માટે કરવો જોઈએ.

ઝેરીપણું: ભલામણ કરેલી માત્રામાં ઉપયોગ કરાય તો ઝેરીપણું નથી.

જંતુનાશક કોઈ પાક પર છંટકાવ નહીં કરવો જોઈએ તેવા તબક્કા: પાકની પરિપક્વતા દરમિયાન અને લણણીના તુરંત પૂર્વે છંટકાવ નહીં કરવો જોઈએ. મધમાખીઓ અન જંતુના નૈસર્ગિક શત્રુઓ જેવા લાભદાયી જંતુઓને હાનિ નહીં પહોંચે તેવી સાવચેતી રાખવી જોઈએ.

સાવચેતીઓ :
૧. ઓગાળતી વખતે ઢોળાવાથી કે છાંટા ઉડવાથી શ્વાસમાં કે ત્વચાના સંપર્કમાં ન આવવા દો. ખુલ્લા હાથે ન ભેળવો.
૨. વપરાશકર્તાએ સંપૂર્ણ સંરક્ષાત્મક વસ્ત્રો પહેરવા જોઈએ જેમાં સામેલ છે. રબરના હાથમોજા, બૂટ, મુખ આવરણ અથવા ડસ્ટ માસ્ક અને ઑવરઓલ અથવા રબર એપ્રન કે ટોપી.
૩. વપરાશનો કર્યા પછી દૂષિત થયેલાં કપડાં અને શરીરના ભાગો સંપૂર્ણ ધોઇ નાંખો.
૪. વપરાશનો વખતે ધૂમ્રપાન ન કરો, કંઇપણ પીઓ, ખાઓ અને ચાવો નહીં.

ઝેર ચઢયાનાં લક્ષણો :
શરૂઆતનાં લક્ષણોમાં સુસ્તી, લાળ પડવી, શ્વાસ લેવામાં તકલીફ, ઊબકા અને ઊલટી થઇ શકે છે.

પ્રાથમિક સારવાર :
જો ત્વચા સાથે સંપર્ક થાય તો દૂષિત કપડાં કાઢી નાખો અને જો સાબુ ઉપલબ્ધ હોય તો ત્વચાને સાબુ-પાણીથી બરોબર ધોઈ નાખો. જો આંખમાં જાય તો આંખોને પાણીની પુષ્કલ છાલક મારી સાફ કરો. જો ગળી જવાય તો ઊલટી કરાવવા પ્રયત્ન ન કરો અને મોં વાટે કશું જ ન આપો. તરત જ ડૉક્ટરને બોલાવો.

વિષનાશક :
કોઈ ચોક્કસ વિષનાશક જાણાતા નથી. દરદીને લક્ષણો અનુસાર સારવાર આપો.

ખાલી પાત્રોને નિકાલ :
૧. ખાલી પાત્રો કે વધારાના દ્રાવણનો નિકાલ તેમજ મશીન અને કન્ટેનરોની સફાઈ પર્યાવરણ કે જળ પ્રદૂષણ ન થાય તેમ સુરક્ષિત રીતે કરવી જાઈએ.
૨. ખાલી પાત્રોનો ફરી ઉપયોગ થતો ટાળવા તેને બહાર રખડતા ન રાખો.
૩. ખાલી પાત્રોને તોડી વસતિવાળા પ્રદેશથી દૂર દાંટી દો.

સંગ્રહ :
૧. ફૂગનાશક ધરાવતા પાત્રોને અલગ ઓરડી કે જગ્યામાં અન્ય પદાર્થો ખાસ કરીને ખાદ્યપદાર્થો સંગ્રહ કરાતી ઓરડી કે જગ્યાથી દૂર સંગ્રહ કરવા જોઈએ અથવા ફૂગનાશકના માત્રા અને પ્રકાર આધારે અલગ કબાટમાં તાળું-ચાવી મારીને સંગ્રહ કરવા જોઈએ.
૨. ફૂગનાશક સંગ્રહ માટેની ઓરડી કે જગ્યા યોગ્ય બાંધકામ ધરાવતી, હવા ઉજાસ ધરાવતી અને પૂરતા વિસ્તારવાળી હોવી જોઈએ જેથી વરાળનું પ્રદૂષણ ન થાય.

ચેતવણી : ૧ લૅબલ અને પરિપત્ર પર દર્શાવેલા પાક અને જીવાતો સિવાય ઉપયોગ કરવો નહીં. ૨. લણણી પછી ઉપયોગ કરવો નહીં. ૩. પરિપત્ર પર જણાવ્યા અનુસાર ખાલી કન્ટેનર નષ્ટ કરવાં. ૪. પૉલી હાઉસીસ અને બંધિયાર વિસ્તાર માટે નિર્દેશો અને માત્રા અંગે પરિપત્ર વાંચવું. ૫.માછલી માટે ઝેરી છે.

રાસાયણિક સંયોજન :

ઘટકો	માત્રા(%વ/વ)
કૅલ્શિયમ લિગ્નો સલ્ફોનેટ	3.૫૦
ડાયમેથોમોર્ફ ટેક. (૯૫.૫૦% ન્યૂન. શુદ્ધતા)	૫૨.૩૫
લાઇટ કેઓલિન આઇ.પી.ગ્રેડ (૭૫ માઇક્રોન-કદ)	૪૦.૬૫
સોડિયમ ડાય-આઈસોપ્રોપિલ નેપ્થાલીન સલ્ફોનેટ	3.૫૦
કુલ	૧૦૦.૦૦

ખાલી કન્ટેનરોનો ફેરઉપયોગ જોખમી છે.
ફક્ત ખેતીવાડીના ઉપયોગ માટે

ਡਾਈਮੇਥੋਮੋਰਫ਼ ੫੦% ਡਬਲਯੂਪੀ
ਸੋਲੀਟਨ
(ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ)

ਡਾਈਮੇਥੋਮੋਰਫ਼ ੫੦% ਡਬਲਯੂਪੀ ਇਕ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਹੀ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜਿਸ ਨੂੰ ਅੰਗੂਰਾਂ ਵਿਚ ਰੂੰਏਂਦਾਰ ਫਫੂੰਦੀ ਅਤੇ ਆਲੂਆਂ ਵਿਚ ਪਛੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਵਰਤੋਂ :

ਫ਼ਸਲ	ਰੋਗ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਮਾ. / ਹੈ. ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫ਼ਾਰਮੂ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਪਾਣੀ (ਲੀ.)	ਉਡੀਕ ਦਾ ਸਮਾਂ (ਦਿਨ)
ਅੰਗੂਰ	ਰੂੰਏਂਦਾਰ ਫਫੂੰਦੀ *(ਪਲਾਸਮੋਪਾਰਾ ਵੀਟੀਕੋਲਾ)*	੫੦੦	੧੦੦੦	੭੫੦	੨੫
ਆਲੂ	ਪਛੇਤੀ ਅਗੰਮਾਰੀ *(ਫਾਈਟੋਪਥੋਰਾ ਇਨਫੇਸਟੇਨਸ)*	੫੦੦	੧੦੦੦	੭੫੦	੧੬

ਵਤਰਣ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤਾਂ: ਦਵਾਈ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਨਾਪ ਕੇ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ। ਇਸ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਉਂਦੇ ਹੋਇਆਂ ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਕਾਇਆ ਮਾਤਰਾ ਵੀ ਇਸ ਵਿਚ ਮਿਲਾ ਲਓ। ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਨ ਲਈ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਜਾਂ ਹਾਈ ਵਾਲਿਊਮ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਤੋਂ।

ਵਰਤਣ ਦਾ ਸਮਾਂ: ਇਲਾਜਕਾਰੀ ਉਪਚਾਰ ਵਜੋਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

ਵਾਪਸੀ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਦੀ ਮਿਆਦ: ੨੪ ਘੰਟੇ।

ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਅਵਸਥਾ: ਡਾਈਮੇਥੋਮਾਰਫ਼ ੫੦% ਡਬਲਯੂਪੀ ਇਕ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ ਜੋ ਰੋਗ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵੇਲੇ ਉਪਰੋਕਤ ਫ਼ਸਲਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਬਾਰੰਬਾਰਤਾ: ਰੋਗ ਦੀ ਤੀਬਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ੨–੩ ਵਾਰੀ।

ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਾਤ: ਸਹਾਇਕ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਅੱਤਵਾਦੀ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਨਹੀਂ।

ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ (ਜਿੱਥੇ ਵੀ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇ): ਮਿੱਟੀ ਹਲਕੀ ਤੋਂ ਭਾਰੀ ਅਤੇ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਵਰਤੋ।

ਵਨਸਪਤਿਕ ਵਿਸ਼ੈਲਾਪਣ: ਸੁਝਾਈਆਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆਂ ਪੌਦਿਆਂ ਲਈ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਨਹੀਂ।

ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਕਿਸੇ ਵੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ: ਫ਼ਸਲਾਂ ਦੀ ਪਰਪੱਕਤਾ ਦੌਰਾਨ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਤੋਂ ਐਨ ਪਹਿਲਾਂ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ। ਇਹ ਸਾਵਧਾਨੀ ਵਰਤਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਉਤਪਾਦ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਰਾਹੀਂ ਸ਼ਹਿਦ ਦੀਆਂ ਮੱਖੀਆਂ ਅਤੇ ਕੀਟਾਂ ਦੇ ਕੁਦਰਤੀ ਵੈਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕੋਈ ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਪਹੁੰਚੇ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ :
੧. ਘੋਲ ਬਣਾਉਂਦੇ ਸਮੇਂ ਦਵਾਈ ਦੇ ਡੁਲ੍ਹਣ ਜਾਂ ਛਿੱਟਾਂ ਦੇ ਕਾਰਨ ਇਸ ਨੂੰ ਨਾ ਸੁੰਘੋ, ਨਾ ਹੀ ਚਮੜੀ ਨਾਲ ਲੱਗਣ ਦਿਓ। ਘੋਲ ਨੂੰ ਨੰਗੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਨਾ ਮਿਲਾਓ।
੨. ਵਰਤੋਂਕਾਰ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਦੇ ਸਾਧਨ ਪਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਰਬੜ ਦੇ ਦਸਤਾਨੇ, ਬੂਟ, ਫ਼ੇਸ ਸ਼ੀਲਡ ਜਾਂ ਡਸਟ ਮਾਸਕ ਤੇ ਓਵਰਾਲ ਜਾਂ ਰਬੜ ਐਪਰਨ ਜਾਂ ਟੋਪ (ਪਗੜੀ)।
੩. ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪਲੀਤ ਹੋਏ ਕਪੜੇ ਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਭਾਗ ਧੋ ਲਓ।
੪. ਵਰਤੋਂ ਕਰਨ ਦੌਰਾਨ ਨਾ ਕੁਝ ਖਾਓ ਪੀਓ, ਨਾ ਧੂਮਰਪਾਨ ਕਰੋ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ :
ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਲੱਛਣ ਇਹ ਹੋ ਸਕਦੇ ਹਨ : ਉਦਾਸੀ, ਲਾਰ ਦਾ ਟਪਕਣਾ, ਸਾਹ ਦੀ ਤਕਲੀਫ਼, ਮਤਲੀ ਅਤੇ ਉਲਟੀਆਂ।

ਫ਼ਸਟ ਏਡ : ਚਮੜੀ 'ਤੇ ਲੱਗਣ ਸਮੇਂ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਿਤ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਕੇ ਚਮੜੀ ਨੂੰ ਸਾਬੁਣ ਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਲਓ। ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਨਿਗਲੇ ਜਾਣ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਾਓ ਤੇ ਮੂੰਹ ਦੁਆਰਾ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ। ਫ਼ੌਰਨ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ : ਕੋਈ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲੱਛਣਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ :
੧. ਪੈਕੇਜਾਂ ਜਾਂ ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ/ਕੰਟੇਨਰਾਂ 'ਚੋਂ ਨਿਕਲੇ ਧੋਣ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕਰੋ ਕਿ ਪਾਣੀ ਤੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਗੰਦਾ ਨਾ ਹੋਵੇ।
੨. ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਛੱਡੋ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ।
੩. ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਭੰਨ ਕੇ ਬਸਤੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦਬਾ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ।

ਸਟੋਰੇਜ :
੧. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਕੇ ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ, ਖ਼ਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਪਦਾਰਥ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਦੂਰ ਕਿਸੇ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰੇ ਵਿਚ ਜਾਂ ਦਵਾਈ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਕਿਸੇ ਅਲੱਗ ਆਲਮਾਰੀ ਵਿਚ ਤਾਲਾ ਮਾਰ ਕੇ ਰੱਖੋ।
੨. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਹਵਾਦਾਰ, ਚੰਗੇ ਰੋਸ਼ਨੀਦਾਰ 'ਤੇ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਡੁੱਲ੍ਹੇ ਸਾਈਜ਼ ਜੇ ਹੋਣ ਤਾਂ ਕਿ ਹਵਾੜ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਫੈਲੇ।

ਚੇਤਾਵਨੀ : 1. ਲੇਬਲ ਅਤੇ ਲੀਫ਼ਲੈਟ ਵਿੱਚ ਲਿਖੀਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਅਤੇ ਕੀੜਿਆਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਤੇ ਨਾ ਵਰਤੋ। 2. ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਛਿੜਕਾਅ ਲਈ ਨਾ ਵਰਤੋ। 3. ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਲੀਫ਼ਲੈਟ ਵਿੱਚ ਦੱਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਡੱਬਾ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ। 4. ਪੌਲੀ ਹਾਊਸੇਸ ਅਤੇ ਬੰਦ ਇਲਾਕੇ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤਾਂ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਲਈ- ਲੀਫ਼ਲੈਟ ਵੇਖੋ। ੫.ਮੱਛੀਆਂ ਲਈ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ :

ਤੱਤ	ਮਾਤਰਾ(%ਵ/ਵ)
ਕੈਲਸ਼ੀਅਮ ਲਿਗਨੋ–ਸਲਫ਼ੋਨੇਟ	੩.੫੦
ਡਾਈਮੇਥੋਮੋਰਫ਼ ਟੈਕ (੯੫.੫੦% ਘੱਟੋ. ਸ਼ੁੱਧਤਾ)	੫੨.੩੫
ਲਾਈਟ ਕਾਓਲਾਈਨ ਆਈ.ਪੀ. ਗ੍ਰੇਡ (੭੫ ਮਾਈਕ੍ਰੋਨ ਸਾਈਜ਼)	੪੦.੬੫
ਸੋਡੀਅਮ ਡਾਈ–ਆਈਸੋਪ੍ਰੋਪਾਈਲ ਨੈਫ਼ਥਾਲੀਨ ਸਲਫ਼ੋਨੇਟ	੩.੫੦
ਕੁੱਲ	੧੦੦.੦੦

ਖਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤਣਾ ਖ਼ਤਰਨਾਕ ਹੈ।
ਸਿਰਫ਼ ਖੇਤੀ ਦੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਲਈ

డైమెథోమోర్ఫ్ 50% డబ్ల్యుపి
సొలిటన్
(అంతర్వాహిక శిలీంద్రనాశని)

డైమెథోమార్ఫ్ 50% డబ్ల్యుపి అనేది ఒక అంతర్వాహిక శిలీంద్రనాశని. దీనిని ద్రాక్ష పంటను ఆశించు బూడిద తెగులు మరియు బంగాళదుంప పంటలో ఆలస్యంగా వచ్చు మచ్చలను అరికట్టుటకు వాడాలి.

వాడకం :

పంట	తెగుళ్ళు	మోతాదు/హెక్టారుకు స.ప. (గ్రా.)	సూత్రీకరణ (గ్రా.)	నీరు (లీ.)	కోతకు వేచి ఉండవలసిన సమయం (రోజులలో)
ద్రాక్ష	బూడిద తెగులు *(ప్లాస్మోపారా విటికోలా)*	500	1000	750	25
బంగాళదుంప	ఆలస్యంగా వచ్చు మచ్చ *(ఫైటోఫ్తోరా ఇన్ఫెస్టాన్స్)*	500	1000	750	16

వాడుటకు సూచనలు :
ఉత్పాదకాన్ని కావలసిన పరిమాణంలో తీసుకొని, కొద్దిపాటి నీటిలో బాగా కలిపి. నిర్ధారించిన నీటిప్రమాన్ని బాగా కలియబెడుతూ కలిపి నేప్‌సాక్ స్ప్రేయరు లేదా హైవాల్యూమ్ స్ప్రేయర్‌తో ఎక్కువ నీటిని ఉపయోగించి పిచికారీ చేయాలి.

వాడాల్సిన సమయం: దీన్ని రోగనివారణోపాయాల చికిత్సగా వాడబడుతుంది

తిరిగి పిచికారీ చేసుకోవలసిన సమయం: 24 గంటలు.

పంట దశ: డైమెథోమోర్ఫ్ 50% డబ్ల్యుపి అనే ఈ శిలీంధ్రనాశనిని పైన వివరించబడిన పంటలపై తెగుళ్ళు సోకడం ప్రారంభంకాగానే దీన్ని వాడుకోవాలి.

ఎన్ని తడవలు వాడాలంటే: తెగుళ్ళ యొక్క తీవ్రతను బట్టి 2-3 తడవలు వాడుకోవచ్చు.

వాతావరణ పరిస్థితులు: దీన్ని పంటలకు అనుకూలమైన వాతావరణం వున్న పరిస్థితులలోనే వాడాలిగానీ, మరింత తీవ్రమైన మరియు ప్రతికూల వాతావరణ పరిస్థితులలో దీన్ని వాడరాదు.

నేల మరియు నీరు (ఎక్కడెక్కడ అవసరమవుతుందో అచ్చోట): చౌడు భూములు అలాగే గరపనేలలు కూడా అనుకూలమైనవి.పిచికారి చేసుకోడానికి శుభ్రమైన నీటిని వాడాలి.

మొక్కలపై విషప్రభావం : దీన్ని సిఫారసుచేయబడిన మోతాదులో వాడినట్లయితే, మొక్కలపై విషప్రభావం వుండదు.

కీటకనాశనులను ఏ పంటమీదైనా వాడకూడని దశలు : పంట పరిపక్వదశలోనూ మరియు కోతకాలానికి ముందు దీన్ని వాడరాదు. మరియు పంటలకు స్నేహపూర్వకమైన కీటకాలైన తేనెటీగలు మరియు సహజసిద్ధంగా పంటలను కాపాడే చీడపీడలకు హానికల్గకుండా జాగ్రత్త వహించాలి.

ముందు జాగ్రత్తలు :
1. కలిపేటప్పుడు చిందులు పడటం లేక తుంపరలు పడటం జరగవచ్చు కనుక పీల్చటం, శరీరానికి అంటుకోకుండా చూచుకోండి. ఒట్టిచేతులతో కలపడం చేయకండి.
2. దీనిని వాడేవారు రబ్బరు గ్లౌజులు, బూట్లు, ముఖానికి మాస్క్, రబ్బరు ఆప్రాన్, టోపి వంటి రక్షక దుస్తులను ధరించండి.
3. కలుషితమైన బట్టల్ని, శరీరాన్ని శుభ్రంగా కడుక్కోవాలి.
4. దీన్ని పిచికారి చేసుకొనేటప్పుడు ఏదైనా తినడం, పొగ పీల్చడం, పొగాకు నమలడం లాంటి పనులేమీ చేయరాదు.

విషలక్షణాలు :
నీరసం, చొంగకారుట, శ్వాస సంబంధ సమస్య, అనహ్యం మరియు వాంతి కలయికలతో లక్షణాలు ముందుగా సంభవించవచ్చును.

ప్రథమ చికిత్స :
ఒకవేళ శరీరానికి అంటుకొనిన యెడల, కలుషితమైన దుస్తులను తీసివేసి శరీరాన్ని సబ్బుతోరుద్ది నీటితో కడగండి. ఒకవేళ కళ్ళలో పడిన యెడల ఎక్కువ నీటిని ఉపయోగించి కడుక్కోండి. ఒకవేళ ప్రమాదవశాత్తు మ్రింగిన యెడల వాంతి చేయించటంగాని, నోటిద్వారా వేటినైనా ఇవ్వటం చేయకండి.వెంటనే డాక్టరును సంప్రదించండి.

విరుగుడు :
దీనికి ప్రత్యేకంగా విరుగుడు అంటూ ఏమీ కనుగొనబడలేదు. కనుక లక్షణాలనుబట్టి చికిత్స చేయండి.

డబ్బాలను పారవేయు విధానం :
1. ప్యాకెట్లను, మిగిలిన మందును లేక పరికరాలు కడుగగా వచ్చు నీటిని సురక్షితమైన రీతిలో పారవేయాలి. వీటివలన పరిసరాలు, నీరు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకోవాలి.
2. వాడిన ప్యాకేజీలను తిరిగి ఏవిధంగా వాడరాదు కనుక బయట వదిలివెట్టరాదు.
3. వాడిన ప్యాకేజీలను ధ్వంసంచేసి మనుష్య సంచారానికి దూరంగా పాతివెట్టాలి.

నిల్వ :
1. ఈ శిలీంద్రనాశని గల ప్యాకేజీలను వేరు గదులలో, ముఖ్యంగా ఆహారపదార్థాలు. లేదా పశువుల దాయాలు నిల్వ చేసే గదుల లేదా అవరణలలో కాకుండా, అల్మైరాలలో పరిమాణాన్ని బట్టి ఉంచి, తాళంవేసి బిగించి ఉంచాలి.
2. ఈ శిలీంద్రనాశనిని నిల్వచేసే గదులు లేదా ఆవరణలు మంచిగా కట్టినవై, పొడిగా ఉండి, గాలి వెలుతురూ ప్రసరించేలా ఉండాలి. తద్వారా దీని ఆవిరివల్ల పరిసరాలు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకోవాలి.

హెచ్చరిక: 1. ఈ లేబుల్ మరియు కరపత్రంలో సూచించబడిన పంటలు మరియు వాటినాశించే క్రిమికీటకాదులకు తప్ప, మరి దేనికీ దీన్ని ఉపయోగించరాదు, 2.కోతకాలం పిదప వాడకంగా దీన్ని ఉపయోగించరాదు,3. కరపత్రంలో సూచించబడిన విధంగా దీన్ని వాడిన పిదప, ఖాళీ డబ్బాలను నాశనంచేయాలి. 4.పాలీ హౌసెస్(గృహసముదాయాలు) మరియు నిర్బంధపు ఏరియాలలో (పొలిమేరలలో) దీని వాడకపు సూచనలు మరియు మోతాదుల కోసం ఇందివ్వబడిన కరపత్రాన్ని చూడాలి. 5.ఇది చేపలకు విషపూరితమైంది.

రసాయనిక మిశ్రమం :

సక్రియ పదార్థాలు	శాతం(%బ/బ)
క్యాల్షియమ్ లిగ్నో - సల్ఫోనేట్	3.50
డైమెథోమార్ఫ్ మూలపదార్థం (95.50% కనిష్ట స్వచ్ఛత)	52.35
తేలికయిన కయోలిన్ ఐ.పి. గ్రేడ్ (75 మైక్రాన్-సైజు)	40.65
సోడియమ్ డై - ఐసోప్రొపైల్ నేప్తలీన్ సల్ఫోనేట్	3.50
మొత్తం	100.00

ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏ విధంగానైనా వాడటం అతి ప్రమాదకరమని గుర్తుంచుకోవాలి.
వ్యవసాయానికి మాత్రమే ఉపయోగించే

READ LEAFLET BEFORE USE

Dimethomorph 50% WP
SOLITON®
(Systemic Fungicide)

डाइमेथोमॉर्फ ५० प्रतिशत घुलनशील चूर्ण
सोलीटन
(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

Godrej agrovet

Copyright ©, Trademark and all Rights Reserved by Godrej Agrovet Limited 2024.

Manufactured and Marketed by : **Godrej Agrovet Limited,** Regd. Office: Godrej One, 3rd Floor, Pirojshanagar, Eastern Express Highway,Vikhroli (East), Mumbai-400079. Factory: Lane No.7, Industrial Growth Centre, Samba, Jammu-184121, Jammu and Kashmir, India.

निर्माता तथा विक्रेता: **गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड,** रजि. ऑफिस: गोदरेज वन, तीसरी मंजिल, पिरोजशाह नगर, इस्र्टन एक्सप्रेस हाइवे, विक्रोली (पू), मुंबई – ४०० ०७९, महाराष्ट्र . फैक्टरी: लेन नं. ७, इंड स्ट्रि यल ग्रोथ सेंटर, साम्बा, जम्मू – १८४१२१, जम्मू और कश्मीर, भारत.

تیار کردہ اور فروخت کردہ: **گودریج ایگروویٹ لمیٹیڈ،** رجسٹرڈ آفس: گودریج ون، تیسری منزل، پروجشانگر، ایسٹرن ایکسپریس ہائیوے، وکرولی (مشرق)، ممبئی- ۴۰۰۰۷۹، مہاراشٹر- فیکٹری: لین نمبر ۷، انڈسٹریل گروتھ سینٹر، سامبا، جموں- ۱۸۴۱۲۱، جموں وکشمیر، انڈیا۔

In case of complaints, please contact our customer service executive at the Registered Office address of the Manufacturer and Marketer or email at gavlho@godrejagrovet.com or call us at 022 –2519 4491.
Website: www.godrejagrovet.com

டைமிதோமார்ப் 50% WP

சொலிடன்

(பரவிச் செயல் புரியும் பூஞ்சணங்கொல்லி)

டைமிதோமார்ப் 50% WP பரவிச் செயல் புரியும் ஒரு பூஞ்சணங்கொல்லியாகும். இது திராட் சையில் தோன்றும் அடிசாம்பல் பூஞ்சண நோய் மற்றும் உருளைக் கிழங்குகளில் தோன்றும் பின்கருகல் நோயைக் கட்டுப்படுத்த உபயோகப்படுத்தப் படுகிறது.

உபயோகம் :

பயிர்	நோயின் பொதுப் பெயர்	அளவு / ஹெ தீ.மூ. (கிராம்)	கலவை (கிராம்)	நீர் (லிட்)	காத்திருக்க வேண்டிய காலம் (நாட்கள்)
திராட்சை	அடிசாம்பல் பூஞ்சணம் (பிளாஸ்மோபாரா விடிகோலா)	500	1000	750	25
உருளைக் கிழங்கு	வள்ளுகப் நோய்	500	1000	750	16

பயன்படுத்த குறிப்புகள் :

தேவையான அளவு மருந்தை எடுத்துக்கொண்டு அதை சிறிதளவு தண்ணீர் உடன் சேர்த்து நன்கு கலக்கிக் கொள்ளவும். நன்கு கலக்கிக்கொண்ட பின், தேவையான மீதித் தண்ணீரையும் சேர்த்து நன்கு கலக்கிக்கொள்ளவும். அதிக அளவு தெளிக்கும் தெளிப்பான் அல்லது நாப்சாக் தெளிப்பானால் தெளிக்கவும்.

பயன்படுத்தும் காலம்: முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கையாகப் பயன்படுத்த வேண்டும்.

மருந்து தெளித்த பிறகு நடமாட்டம்: 24 மணி நேரம்.

பயிர் பருவம் : டைமிதோமோர்ஃப் 50% டபுள்யூ பி பூஞ்சணக்கொல்லியை மேலே குறிப்பிடப்பட்டிருக்கும் பயிர்களில் நோய் அறிகுறிகள் தெரிய வந்தவுடன் தெளிக்க வேண்டும்.

தெளிப்பு எண்ணிக்கை : நோயின் தீவிரத்தைப் பொருத்து 2-3 தெளிப்புகள்

வானிலை நிலவரம் : சாதகமான வானிலையின் போது தெளிக்க வேண்டும், மோசமான வானிலையில் மருந்தைத் தெளிக்கக் கூடாது

மண் மற்றும் நீர் (பொருந்தும் இடங்களில்): இளகிய மண்ணிலிருந்து கடிமமான மண், தெளிப்பு கரைசலுக்கு சுத்தமான நீரைப் பயன்படுத்த வேண்டும்.

தாவர நச்சு : பரிந்துரைக்கப்பட்ட அளவில் இது தாவர நச்சை ஏற்படுத்தாது.

எந்த ஒரு பயிர் மீதும் மருந்து கரைசலைத் தெளிக்கக் கூடாத கட்டங்கள்: பயிர்கள் திர்ச்சி அடைந்திருக்கும் பருவத்திலும் அறுவடை சமயத்திலும் மருந்தைத் தெளிக்கக் கூடாது, தேனீக்கள் மற்றும் பூச்சிகளைத் தின்னும் உயிரினங்களுக்குத் தீங்கு ஏற்படாதவாறு மருந்து கரைசலைத் தெளிக்க வேண்டும்.

முன்னெச்சரிக்கைகள் :

1. கலக்கும் போது உண்டாகும் தெறிப்பு அல்லது சிதறல்களால் சுவாசிக்கப் படுவதையும், சருமத்தில் படுவதையும் தவிர்க்கவும். வெறும் கைகளால் கலக்கக்கூடாது.
2. மருந்து தெளிப்பவர் ரப்பர் கையுறைகள், பூட்ஸ், முகக் கவசம் அல்லது தூசு மூடி மற்றும் ஒட்டு மொத்த அல்லது ரப்பர் மேலங்கி அல்லது தொப்பி அடங்கிய முழுபாதுகப்பு ஆடைகளை அணியவும்.
3. தெளிப்பு முடிந்த பின் மாசுபட்ட ஆடைகளையும், உடல் பாகங்களையும் நன்றாக கழுவவும்.
4. மருந்தடிக்கும்போது, புகை பிடிக்கவோ, பருகவோ, உண்ணவோ மற்றும் மெல்லவோ கூடாது.

விஷம் தாக்கிய அறிகுறிகள்:

ஆரம்ப அறிகுறிகளாக சோர்வு, உமிழ்நீர் ஊறல், மூச்சுக் கோளாறு, குமட்டல் மற்றும் வாந்தி சேர்ந்து ஏற்படும்.

முதலுதவி :

டைமெதோமார்ஃப் தற்செயலாய் விழுங்கப்பட்டால் மந்தத் தன்மை, சோம்பேறித்தனம், நடுக்கம் மற்றும் பக்க வாதம் ஏற்படலாம்.

மாற்றுமருந்து :

குறிப்பிட்ட மாற்றுமருந்து ஒன்றும் இல்லை. நோயாளிக்கு அறிகுறிக்குத் தக்க சிகிச்சை அளிக்கவும்.

கொள்கலன்களை அப்புறப் படுத்துதல் :

1. பேக்கேஜ் அல்லது உபரிப்பொருள்கள் மற்றும் இயந்திரங்கள் மற்றும் கொள்கலன்களை கழுவிய நீர் முதலிய வற்றை சுற்றுப் புறச் சூழல் மற்றும் நீர் மாசு படுவதை தவிர்த்திடும் வகையில் பாது காப்பான முறையில் அப்புறப் படுத்தப்பட வேண்டும்.
2. உபயோகப் படுத்திய கொள்கலன்களை மறுபடி உபயோகிப் பதற்காக வெளியே விட்டுவைக்கக்கூடாது.
3. பேக்கேஜ்கள் உடைத்து வசிப்பிடங்களுக்கு அப்பால் புதைக்கப்பட வேண்டும்.

சேமித்தல் :

1. பூஞ்சணங் கொல்லி அடங்கிய பேக்கேஜ் தனி அறைகள் அல்லது இடங்களில் இதர பொருள்கள் குறிப்பாக உணவுப் பொருள்களை சேமித்து வைக்கும் அறைகள் அல்லது இடங்களுக்கு அப்பால் அல்லது பூஞ்சணங் கொல்லியின் அளவு மற்றும் தன்மைக்கு ஏற்ப தனி அலமாரியில் பூட்டி வைக்க வேண்டும்.
2. பூஞ்சணங் கொல்லி சேமித்து வைக்கப்படும் அறைகள் அல்லது இடங்கள் நன்றாகக் கட்டப் பட்டதாக, காற்றோட்டம் உள்ளதாகவும், நல்ல வெளிச்சம் உள்ளதாகவும் ஆவியுடன் கலந்து மாசு ஏற்படா வண்ணம் போதுமான அளவுடையதாகவும் இருக்க வேண்டும்.

எச்சரிக்கை: 1. லேபில் மற்றும் கையேட்டில் கொடுக்கப்பட்டிருக்கும் பயிர்களைத் தவிர்த்து வேறு பயிர்கள் மற்றும் பூச்சிகள் மீது இதைப் பயன்படுத்தக் கூடாது. 2. அறுவடைக்குப் பிறகு இந்த மருந்தைப் பயன்படுத்தக் கூடாது. 3. கையேட்டில் எழுதப்பட்டிருப்பதைப் போல இதன் கொள்கலன்களை அழித்துவிடவும். 4. புழங்கும் இடங்களில் மற்றும் தனிப்படுத்தப்பட்ட இடங்களில் சேமித்து வைக்கும் குறிப்புகளுக்கு - கையேட்டைப் பார்க்கவும். 5.மீன்களுக்கு இது நஞ்சாகச் செயல்படும்.

இரசாயனக் கலவை :

மூலப்பொருள்	சதவீதம்(%எ/எ)
கால்சியம் லிக்னோ சல்பொனேட்	3.50
டைமிதோமார்ப் டெக். (95.50% குறைந்த பட்ச சுத்தம்)	52.35
லைட் கேயோலைன் ஐ.பி. கிரேடு (75 மைக்ரான்-அளவு)	40.65
சோடியம் டை-ஐசோ புரோபைல் நாப்தலின் சல்பொனேட்	3.50
மொத்தம்	100.00

காலி கொள்கலன்களைப் பயன்படுத்துவது அபாயம்.

விவசாய பயன்பாட்டிற்கு மட்டுமான

ಡೈಮಿಥೊಮೋರ್ಫ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯು ಪಿ

ಸೊಲಿಟನ್

(ಅಂತರ್‌ವ್ಯಾಪಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ)

ಡೈಮಿಥೊಮೋರ್ಫ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯು ಪಿ ಇದು ದ್ರಾಕ್ಷಿಯ ತುಪ್ಪಳಿನ ರೋಗ ಮತ್ತು ಆಲೂಗಡ್ಡೆಯ ಅಂತ್ಯದ ಅಂಗಮಾರಿ ರೋಗಗಳ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಸಲುವಾಗಿ ಉಪಯೋಗಿಸಲಾಗುವ ಅಂತರ್‌ವ್ಯಾಪಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವಾಗಿದೆ.

ಉಪಯೋಗ :

ಬೆಳೆ	ರೋಗದ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಹೆಕ್ಟೇರಿಗೆ ಪ್ರಮಾಣ ಸ.ಘ. (ಗ್ರಾಂ)	ಫಾರ್ಮ್ಯುಲೇಶನ್ (ಗ್ರಾಂ)	ನೀರು (ಲೀಟರ್)	ಕಾಯಬೇಕಾದ ಅವಧಿ (ದಿನ)
ದ್ರಾಕ್ಷಿ	ತುಪ್ಪಳಿನ ರೋಗ (ಪ್ಲಾಸ್ಮೊಪಾರಾ ವಿಟಿಕೊಲಾ)	500	1000	750	25
ಆಲೂಗಡ್ಡೆ	ಅಂತ್ಯದ ಅಂಗಮಾರಿ (ಫೈಟೋಫ್ಥೊರಾ ಇನ್ಫೆಸ್ಟಾನ್ಸ್)	500	1000	750	16

ಉಪಯೋಗಿಸಲು ನಿರ್ದೇಶನ:

ಆವಶ್ಯಕ ಪ್ರಮಾಣದ ಉತ್ಪಾದನೆಯನ್ನು ಅಳೆತೆ ಮಾಡಿ ಅದನ್ನು ಅಲ್ಪಪ್ರಮಾಣದ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಮಾಡಿರಿ. ಚೆನ್ನಾಗಿ ಮಿಶ್ರಮಾಡಿರಿ ಮತ್ತು ಬಳಿಕ ಜೋರಾಗಿ ಕದಡಿಸುತ್ತಾ ಉಳಿದ ಪ್ರಮಾಣದ ನೀರನ್ನು ಸೇರಿಸಿರಿ. ಸಿಂಪರಣೆಯ ಸಲುವಾಗಿ ಉಚ್ಚ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಅಥವಾ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಿರಿ.

ಪ್ರಯೋಗಿಸುವ ಸಮಯ: ರೋಗ ನಿರೋಧಕ ಉಪಚಾರವಾಗಿ ಬಳಸಬೇಕು

ಮರುಪ್ರವೇಶ ಅವಧಿ: 24 ಗಂಟೆಗಳು.

ಬೆಳೆಯ ಹಂತ : ಡೈಮೆಥೊಮೋರ್ಫ್ 50% ಡಬ್ಲ್ಯೂ.ಪಿ, ಇದೊಂದು ಶಿಲೀಂದ್ರ ನಾಶಕವಾಗಿದ್ದು ಮೇಲ್ಲಿಕ್ಕಿಸಿದ ಬೆಳೆಗಳ ಮೇಲೆ ರೋಗದ ಹಾವಳಿ ಆರಂಭವಾದಾಕ್ಷಣ ಪ್ರಯೋಗಿಸಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಕಾಲಾಂತರ: ರೋಗದ ಹಾವಳಿಯ ತೀವ್ರತೆಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ 2–3 ಬಾರಿ.

ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ : ಇದನ್ನು ಅನುಕೂಲಕರ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ ಬಳಸಬೇಕು ಮತ್ತು ವಿಪರೀತ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಬಾರದು.

ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ನೀರು (ಅನ್ವಯಿಸುವಲ್ಲಿ) : ಹಗುರದಿಂದ ಭಾರದ ಮಣ್ಣು, ಸಿಂಪರಣೆಗಾಗಿ ಸ್ವಚ್ಛನೀರನ್ನು ಬಳಸಬೇಕು.

ಸಸ್ಯ ವಿಷಕಾರಿತ್ವ: ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿರುವ ಡೋಸೇಜ್‌ನಲ್ಲಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಿದಾಗ ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ವಾಷಕಾರಿಯಾಗದು.

ಯಾವುದೇ ಬೆಳೆಯ ಮೇಲೆ ಯಾವ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಕೀಟನಾಶಕವನ್ನು ಬಳಸಬಾರದು : ಬೆಳೆಯು ಪರಿಪಕ್ವವಾಗುತ್ತಿರುವಾಗ ಮತ್ತು ಕೊಯ್ಲಿನ ಸ್ವಲ್ಪ ಮೊದಲು ಪ್ರಯೋಗಿಸಬಾರದು. ಜೇನು ನೊಣಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟಗಳ ನೈಸರ್ಗಿಕ ಶತ್ರುಗಳಂಥ ಉಪಕಾರಿ ಕೀಟಗಳಿಗೆ ಹಾನಿಯಾಗದಂತೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆ ವಹಿಸಬೇಕು.

ಮುಂಜಾಗ್ರತೆಗಳು :

1. ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡುವಾಗ ಚೆಲ್ಲುವ ಅಥವಾ ರಾಚುವ ಮೂಲಕ ಶ್ವಾಸದೊಳಗೆ ಹೋಗದಂತೆ ಮತ್ತು ತ್ವಚೆಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾಗದಂತೆ ತಡೆಯಿರಿ. ಬರಿಗೈಯಿಂದ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಬೇಡಿ.
2. ಉಪಯೋಗಿಸುವವರು ರಬ್ಬರ್ ಕೈಚೀಲ, ಬೂಟು, ಮುಖವಾಡ ಅಥವಾ ಡಸ್ಟ್ ಮಾಸ್ಕ್ ಮತ್ತು ಓವರಾಲ್ ಅಥವಾ ರಬ್ಬರ್ ಏಪ್ರಾನ್ ಅಥವಾ ಬೂಟ್ ಮುಂತಾದ ಸಂಪೂರ್ಣ ರಕ್ಷಣಾ ಉಡುಪನ್ನು ಧರಿಸಬೇಕು.
3. ಸಿಂಪರಣೆಯಾದ ಬಳಿಕ ಕಲುಷಿತಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಬರೆ ಮತ್ತು ದೇಹದ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆದುಕೊಳ್ಳಿ.
4. ಸಿಂಪರಣೆ ಕೈಗೊಳ್ಳುವಾಗ ಹೊಗೆಬತ್ತಿ ಸೇದಬೇಡಿ, ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಬೇಡಿ, ಕುಡಿಯಬೇಡಿ ಹಾಗೂ ಜಗಿಯಬೇಡಿ.

ವಿಷ ತಗಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು :

ನಿರುತ್ಸಾಹ, ಜೊಲ್ಲು ಸುರಿತ, ಉಸಿರಾಟದ ತೊಂದರೆ, ವಾಕರಿಕೆ ಮತ್ತು ವಾಂತಿಯ ಸಂಯುಕ್ತಸ್ಥಿತಿ ಇವು ಆರಂಭಿಕ ಲಕ್ಷಣಗಳಾಗಿರಬಹುದು.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ :

ತ್ವಚೆಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾಗಿದ್ದರೆ ಕಲ್ಮಶಗೊಂಡಿದ್ದ ಬಟ್ಟೆಯನ್ನು ಕಳಚಿರಿ, ತ್ವಚೆಯನ್ನು ಸಾಬೂನು ಉಪಯೋಗಿಸಿ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಕಣ್ಣಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾಗಿದ್ದರೆ, ಕಣ್ಣಿಗೆ ಧಾರಾಳ ನೀರು ಚಿಮುಕಿಸಿರಿ. ಒಂದು ವೇಳೆ ನುಂಗಿದ್ದರೆ, ವಾಂತಿಯಾಗುವಂತೆ ಪ್ರೇರೇಪಿಸಬೇಡಿ ಮತ್ತು ಬಾಯಿಯ ಮೂಲಕ ಏನನ್ನು ನೀಡಬೇಡಿ. ಕೂಡಲೇ ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಬರಮಾಡಿಸಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷಧ :

ಯಾವುದೇ ನಿರ್ದಿಷ್ಟವಾದ ಪ್ರತ್ಯೌಷಧವಿಲ್ಲ, ರೋಗಿಗೆ ಲಕ್ಷಣಗಳಿಗನುಸಾರ ಚಿಕಿತ್ಸೆನೀಡಿರಿ.

ಕಂಟೈನರ್‌ಗಳ ವಿಸರ್ಜನೆ :

1. ಪ್ಯಾಕೇಟುಗಳನ್ನು ಅಥವಾ ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥ ಮತ್ತು ಮಶೀನು ಮತ್ತು ಕಂಟೈನರ್‌ಗಳನ್ನು ತೊಳೆದ ನೀರು ಇವೆಲ್ಲವನ್ನು ಪರಿಸರ ಮತ್ತು ಜಲಮಾಲಿನ್ಯವಾಗದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿಸರ್ಜಿಸಬೇಕು.
2. ಉಪಯೋಗಿಸಲಾದ ಪ್ಯಾಕೇಟುಗಳ ಮರು ಉಪಯೋಗವನ್ನು ತಡೆಯಲು ಅವನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಗೆಯೇ ಬಿಟ್ಟಿರಬಾರದು.
3. ಪ್ಯಾಕೇಟುಗಳನ್ನು ಒಡೆದು ಜನವಸತಿಗೆ ದೂರವಾಗಿ ಅವನ್ನು ಹುಗಿಯಬೇಕು.

ಶೇಖರಣೆ :

1. ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕದ ಪ್ಯಾಕೇಟುಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಲ್ಲಿ, ಇತರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಿಗೆ ದೂರವಾಗಿ ಶೇಖರಿಸಿಡಬೇಕು ಇಲ್ಲವೇ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಸ್ವಭಾವವನ್ನು ಪರಿಗಣಿಸಿ ಅವನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಅಲಮಾರಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗಹಾಕಿ ಭದ್ರಪಡಿಸಿ ಇರಿಸಬೇಕು.
2. ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಟ್ಟಿರಬೇಕಲ್ಲದೆ ಅಲ್ಲಿ ತುಂಬಾ ಗಾಳಿಯಾಡುತ್ತಿರಬೇಕು. ಅಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೆಯ ಬೆಳಕು ಇದ್ದು ಹಬೆಯಿಂದ ಒಳಗಿನ ವಾತಾವರಣವು ಮಲಿನವಾಗದಂತಿರಲು ಅವು ವಿಶಾಲವಾಗಿರಬೇಕು.

ಎಚ್ಚರಿಕೆ : 1. ಲೇಬಲ್ ಮತ್ತು ಕರಪತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ನಮೂದಿಸಿದ ಬೆಳೆಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟಗಳನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಇತರ ಬೆಳೆ ಮತ್ತು ಕೀಟಗಳ ಮೇಲೆ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬಾರದು. 2. ಕಟಾವಿನ ಬಳಿಕ ಬಳಸಬಾರದು. 3. ಕರಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನಿರ್ದೇಶಿಸಿದ ಪ್ರಕಾರ ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಬಳಿಕ ಕಂಟೇನರರನ್ನು ನಾಶಪಡಿಸಿ. 4. ಪಾಲಿ ಹೌಸಸ್ ಮತ್ತು ಕನ್‌ಫೈಂಡ್ ಏರಿಯಾ (ಮಿತಿಯಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರದೇಶ)ಗಳ ಡೋಸೇಜ್ ಹಾಗೂ ನಿರ್ದೇಶನಗಳಿಗಾಗಿ – ಕರಪತ್ರ ನೋಡಿ. 5. ಮೀನುಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿ.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ :

ಘಟಕಗಳು	ಪ್ರತಿಶತ(%ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು)
ಕ್ಯಾಲ್ಶಿಯಂ ಲಿಗ್ನೊ-ಸಲ್ಫೋನೇಟ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್	3.50
ಡೈಮಿಥೊಮೊರ್ಫ್ ಟೆಕ್ (95.50% ಕನಿಷ್ಠ ಶುದ್ಧತೆ)	52.35
ಲೈಟ್ ಕವೊಲಿನ್ ಐ.ಪಿ.ಗ್ರೇಡ್ (75 ಮೈಕ್ರೋನ್ ಸೈಜ್)	40.65
ಸೋಡಿಯಂ ಡೈ-ಇಸೊಪ್ರೊಪ್ಯಾಲ್ ನಾಫ್ತಾಲಿನ್	3.50
ಒಟ್ಟು	100.00

ಖಾಲಿ ಕಂಟೇನರ್‌ಗಳ ಬಳಕೆ ಅಪಾಯಕಾರಿ

ಕೃಷಿಯ ಉಪಯೋಗಕ್ಕಾಗಿ ಮಾತ್ರ

ডাইমেথোমর্ফ ৫০% ডব্লুপি

সোলীটন

(অন্তর্বাহী ছত্রাকনাশক)

ডাইমেথোমর্ফ ৫০% ডব্লুপি হচ্ছে একটি অন্তর্বাহী ছত্রাকনাশক, যা আঙুরের ডাউনি মিলডিউ এবং আলুর নাবি ধ্বসা রোগ দমন করতে ব্যবহৃত হয়।

প্রয়োগ :

ফসল	রোগের সাধারণ নাম	হেক্টর পিছু মাত্রা সঃ উঃ (গ্রাম)	ফর্মূলেশন (গ্রাম)	জল (লিটার)	অপেক্ষাকাল (দিন)
আঙুর	ডাউনি মিলডিউ (প্লাজমোপারা ভিটিকোলা)	৫০০	১০০০	৭৫০	২৫
আলু	নাবি ধ্বসা (ফাইটোফথোরা ইনফেস্টান্স)	৫০০	১০০০	৭৫০	১৬

ব্যবহারের নির্দেশ:

প্রয়োজনীয় পরিমাণ উৎপাদন মেপে নিন এবং উহা অল্প পরিমাণ জলে ভালোভাবে মেশান। ভালোভাবে মেশানোর পর বাদবাকী পরিমাণ জল ঢেলে জোরদার নাড়ান। স্প্রে করার জন্যে ন্যাপ্স্যাক্ স্প্রেয়ার বা হাই ভল্যুম স্প্রেয়ার ব্যবহার করুন।

প্রয়োগের সময়: প্রফিল্যাকটিক চিকিৎসা হিসাবে ব্যবহার করতে হবে.

পুনঃপ্রবেশ সময়কাল : ২৪ ঘন্টা

ফসলের অবস্থা: ডাইমেথোমর্ফ ৫০% ডাব্লিউপি একটি ছত্রাকনাশক যা উপরে উল্লিখিত ফসলগুলিতে রোগের প্রাদুর্ভাব মাত্রই প্রয়োগ করতে হবে।

কত ঘন ঘন প্রয়োগ করা উচিৎ: রোগের তীব্রতার ভিত্তিতে ২-৩ বার।

আবহাওয়া পরিস্থিতি : আবহাওয়া পরিস্থিতি অনুকূল থাকলে প্রয়োগ করতে হবে এবং অত্যধিক প্রতিকূল আবহাওয়া পরিস্থিতিতে এর প্রয়োগ থেকে বিরত থাকতে হবে।

মাটি এবং জল: (যেখানে প্রযোজ্য) হালকা থেকে ভারী মাটি, স্প্রে করার জন্য পরিষ্কার জল ব্যবহার করতে হবে।

ফাইটোটক্সিসিটি: সুপারিশ করা মাত্রা প্রয়োগ করার ফলে টক্সিসিটি হয় না।

যে কোনও ফসলের সেই সমস্ত অবস্থা যখন কীটনাশক প্রয়োগ করা উচিত নয় : ফসল পরিপক্ক হয়ে ওঠার সময় এবং ঠিক ফসল কাটার আগে প্রয়োগ করা উচিৎ নয়, মৌমাছি এবং ফসল রোগ সৃষ্টিকারী কীটের প্রাকৃতিক শত্রু আমাদের বন্ধু কীটদের ক্ষতির হাত থেকে রক্ষা করার জন্য বিশেষ সতর্কতা অবলম্বন করা উচিৎ।

সতর্কতা :

১. ছলকানো বা ছেটকানোর কারণের জন্যে জলে মেশানোর সময় শ্বাসে যাওয়া ও ত্বকের সংস্পর্শে আসা এড়াবেন। খালি হাতে মেশাবেন না।
২. ব্যবহারকারীকে সম্পূর্ণ সুরক্ষামূলক পোশাক ব্যবহার করতেই হবে। যার মধ্যে থাকবে রবারের দস্তানা, বুটজুতো, মুখোশ বা ধুলো নিরোধক মুখোশ এবং ওভারঅল বা রবারের অ্যাপ্রণ বা টুপি।
৩. স্প্রে করার পর দূষিত পোশাক ও দেহাংশ ভালোভাবে ধুয়ে নিন।
৪. স্প্রে করার সময় কোনকিছু ধূমপান, পানীয় পান, খাওয়া ও চেবানো নিষেধ।

বিষাক্ততার লক্ষণ :

প্রাথমিক লক্ষণ হিসেবে নিস্তেজতা, লালাঝরা, শ্বাসকষ্ট, গাবমি ও বমি করার সমন্বয় হ'তে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা :

ত্বকের সংস্পর্শের ক্ষেত্রে দূষিত পোশাক বদলে দিন, ত্বক জল আর পাওয়া গেলে সাবান দিয়ে ধুয়ে দিন। চোখের সংস্পর্শে লাগলে, প্রচুর জলের ঝাপ্টা দিন। মুখে গেলে, বমি করাবেন না এবং মুখ দিয়ে কিছু দেবেন না। অবিলম্বে ডাক্তার দেখাবেন।

প্রতিষেধক :

সুনির্দিষ্ট কোনও প্রতিষেধক নেই। লক্ষণ অনুযায়ী রোগীর চিকিৎসা।

প্যাকের বিনষ্টিকরণ :

১. প্যাক বা উদ্বৃত্ত পদার্থ এবং মেশিন তথা পাত্রাদি ধোয়ানি তরল এমন নিরাপদ উপায়ে বিনষ্ট করতে হবে যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়।
২. ব্যবহৃত প্যাকের পুনর্ব্যবহার প্রতিরোধ করতে উহা যত্রতত্র ফেলে রাখবেন না।
৩. প্যাক ভেঙ্গে জনবসতি থেকে দূরে পুঁতে ফেলতে হবে।

মজুতকরণ :

১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাক অন্যান্য সামগ্রী বিশেষতঃ খাদ্য সামগ্রী মজুতের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থান থেকে দূরে পৃথক ঘর বা স্থানে মজুত করতে হবে অথবা ছত্রাকনাশকের পরিমাণ ও প্রকৃতির ওপর নির্ভর ক'রে পৃথক আলমারিতে তালা বন্ধ করে রাখতে হবে।
২. ছত্রানাশক মজুতের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থানটি হ'তে হবে সুনির্মিত, বাতায়িত, সুআচ্ছাদিত এবং খোলামেলা তথা বাষ্পতার দ্বারা হওয়া সংক্রমণ এড়াতে পর্য্যাপ্ত পরিসরযুক্ত।

সতর্কতা : ১. লেবেল এবং লিফলেটে উল্লেখ করা ফসল ছাড়া অন্য কোনো ফসল বা কীটে প্রয়োগ করবেন না. ২. ফসল তোলার পরে প্রয়োগ করা যাবে না. ৩. লিফলেটে দেওয়া নির্দেশ অনুযায়ী পাত্র নষ্ট করে ফেলতে হবে। ৪. মাত্রা এবং প্রয়োগবিধি লিফলেটে নির্দেশ দেওয়া আছে। ৫.মাছেদের জন্য বিষাক্ত।

রাসায়নিক সংমিশ্রণ :

উপাদান	মাত্রা (%ওজন/ওজন)
ক্যালসিয়াম লিগনো-সালফোনেট	৩.৫০
ডাইমেথোমর্ফ টেকনিক্যাল (৯৫.৫০% ন্যূনতম বিশুদ্ধতা)	৫২.৩৫
হালকা কেওলাইন আই.পি. মানদণ্ড (৭৫ মাইক্রন-সাইজ)	৪০.৬৫
সোডিয়াম ডাই-ইসোপ্রোপাইল ন্যাপথেলিন সালফোনেট	৩.৫০
মোট	১০০.০০

খালি পাত্রের পুনর্ব্যবহার বিপজ্জনক।

শুধুমাত্র কৃষিকাজে ব্যবহারের জন্যে

ডাইমেথঐমৰ্ফ ৫০% ডব্লিউ পি

চোলীটন

(প্ৰণালীবদ্ধ ভেকুঁৰ নাশক)

ডাইমেথঐমৰ্ফ ৫০% ডব্লিউ পি হৈছে আংগুৰৰ এক ডাউনী মিলদেউ ৰোগ আৰু আলুৰ লেট ব্লাইট ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে ব্যৱহাৰ কৰা পদ্ধতিগত ভেঁকুৰনাশক ।

অনুমোদন:

শস্য	কীট-পতঙ্গৰ সাধাৰণ নাম	প্ৰতি হেক্টৰৰ মাত্ৰা স.উ. (গ্ৰা.)	ফৰ্মূলেশ্যন (গ্ৰাম)	মিহলাবৰ বাবে পানী (লিটাৰ)	অপেক্ষাৰ সময় কাল (দিন)
আংগুৰ	ডাউনী মিলদেউ (প্লাছমঐপাৰা ভিটিকোলা)	৫০০	১০০০	৭৫০	২৫
আলু	লেট ব্লাইট (ফাইটঐফথঐৰা ইনফেষ্টান্স্)	৫০০	১০০০	৭৫০	১৬

ব্যৱহাৰৰ নিৰ্দেশ:

প্ৰয়োজনীয় পৰিমাণৰ কীটনাশক জুখি লৈ সামান্য পৰিমাণৰ পানীৰ সৈতে ভালদৰে ঘুলি মিহলাব। তাৰপাছত নেপছেক স্প্ৰেয়াৰৰ দৰে উচ্চ আয়তনৰ স্প্ৰেয়াৰৰ দ্বাৰা প্ৰয়োগ কৰাৰ বাবে উল্লেখিত কৰা অনুযায়ী বাকী পৰিমাণৰ পানী যোগ দি ভালদৰে লৰাই ব্যৱহাৰৰ বাবে সাজু কৰিব ।.

প্ৰয়োগৰ সময়: প্ৰফিলেক্টিক চিকিৎসা হিচাপে ব্যৱহাৰ কৰা হঐব

পুনঃপ্ৰৱেশৰ সময়সীমা: ২৪ ঘন্টা ।

শস্যৰ পৰ্য্যায় : ডাইমেথঐমৰ্ফ ৫০% ডব্লিউ পি হঐল এক ফাংগিচাইড যি ওপৰত উল্লেখ কৰা শস্যৰ ৰোগৰ আৰম্ভণিত ব্যৱহাৰ কৰা হয় ।

ঘনত্ব : ৰোগৰ তীব্ৰতাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি ২-৩ বাৰ ।

বতৰৰ পৰিস্থিতি : ভাল বতৰৰ পৰিস্থিতিত ইয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰিব লাগে আৰু অতিমাত্ৰা বেয়া বতৰত ইয়াৰ ব্যৱহাৰ কৰাটো উচিত নহঐব ।

মাটি আৰু পানী (যঐত প্ৰযোজ্য হয়): পাতলৰ পৰা গভীৰ মাটি , স্প্ৰেৰ কাৰণে পৰিস্কাৰ পানী ব্যৱহাৰ কৰিব লাগে ।

ফাইটঐটক্সিটিটী : পৰামৰ্শ অনুসৰি ঔষধ ব্যৱহাৰ কৰিলে কোনো লোকচান নহয় ।

পৰ্য্যায়ৰ সময়চোৱাত কোনবিধ কীটনাশক যিকোনো শস্যত প্ৰয়োগ কৰা উচিত নহয় : শস্যৰ পৰিপক্কতাৰ সময়ত আৰু ঠিক শস্য চপোৱাৰ আগতে ব্যৱহাৰ কৰাটো উচিত নহঐব আৰু লাভকাৰী পোক যেনে ধৰক মৌ মাখি আৰু পোক-পতঙ্গৰ প্ৰাকৃতিক শত্ৰুৰ ক্ষতি নহঐবৰ বাবে সাৱধানীয়তাৰ অৱলম্বন কৰিব লাগে ।

সতৰ্কতাসমূহ:

১. মিহলাবৰ সময়ত গাত লাগিবলৈ নিদিব তথা উশাহত যাবলৈও নিদিব । খালী হাতেৰে ইয়াক কেতিয়াও নিমিহলাব ।
২. ব্যৱহাৰকাৰীয়ে সম্পূৰ্ণ সুৰক্ষিত সাজ-পোছাক পিন্ধি লোৱা উচিত যাৰ ভিতৰত থকা উচিত ৰবৰৰ হাতমোজা, ৰবৰৰ জোতা, অভাৰঅল বা ৰবৰৰ এপ্ৰন, হুদ বা টুপী ইত্যাদি । তদুপৰি মুখখন ডাষ্ট মাস্ক বা ৰেস্পিৰেটৰৰ দ্বাৰা ঢাকি লোৱা উচিত ।
৩. প্ৰয়োগ কামৰ শেষত দূষিত হোৱা কাপোৰ-কানি আৰু গাৰ অংশসমূহ ভালদৰে ধুই পেলাব ।
৪. প্ৰয়োগ কৰাৰ সময়ত কোনো ধৰণৰ খোৱা-বোৱা বা ধূমপান নকৰিব ।

বিষক্ৰিয়াৰ লক্ষণসমূহ :

প্ৰাথমিক লক্ষণসমূহ হঐব পাৰে নিস্তেজতা, লালটি ওলোৱা, বমি ভাৱৰ সংমিশ্ৰণত শ্বাস-প্ৰশ্বাসজনিত অসুবিধা, বমি হোৱা ।

প্ৰাথমিক চিকিৎসা :

ছালৰ সংস্পৰ্শলৈ আহিলে দূষিত কাপোৰ আঁতৰাই পেলাওক, চাবোন ব্যৱহাৰ কৰি, ছালখন পানীৰে ধুব লাগে, যদি উপলব্ধ হয় । চকুৰ সংস্পৰ্শলৈ আহিলে প্ৰচুৰ পৰিমাণে পানীৰে চকুকেইটা ধুব লাগে । গ্ৰহণৰ ক্ষেত্ৰত বমি নকৰিব আৰু মুখৰ দ্বাৰা একো নিদিব । লগে লগে চিকিৎসকলৈ ফোন কৰক ।

বিষঘ্ন:

কোনো বিশেষ বিষঘ্নৰ বিষয়ে জনা নাযায় । লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা চলাব ।

খালী পেকেজৰ নষ্ট কৰণ:

১. পেকেজবিলাক, অৱশিষ্ট দ্ৰব্য তথা মেচিন আৰু পাত্ৰ ধোৱা-পখলা কৰা পানী আদি এনেদৰে নিৰাপদে নষ্ট কৰা উচিত যাতে তাৰ দ্বাৰা পৰিবেশ আৰু পানীৰ প্ৰদূষণ ঘটিব নোৱাৰে ।
২. ব্যৱহৃত পেকেজবিলাক পুনৰ যাতে ব্যৱহাৰ হব নোৱাৰে, সেয়ে সেইবিলাক বাহিৰত এৰি অহা অনুচিত ।
৩. পেকেজবিলাক ভাঙি-চিঙি, জনবসতিৰ পৰা আঁতৰত মাটিৰ তলত পুতি পেলোৱা উচিত ।

মজুতকৰণ:

১. ছত্ৰাকনাশক সম্বলিত প্যাক অন্যান্য সামগ্ৰী মজুতের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থান থেকে দূরে পৃথক ঘর বা স্থানে মজুত করতে হবে অথবা ছত্রাকনাশকের পরিমাণ ও প্রকৃতির ওপর নির্ভর করে পৃথক আলমারিতে তালা বন্ধ করে রাখতে হবে।
২. ছত্রাকনাশক মজুতের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থানটি হতে হবে সুনির্মিত, শুকনো, সুআচ্ছাদিত এবংবাতায়িত তথা ছত্রাকনাশকের বাষ্পতার দ্বারা পরিবেশের দূষণ রোধ করতে পর্য্যাপ্ত পরিসরযুক্ত।

সতৰ্কীকৰণ: ১. লেবেল আৰু হাতপুথিত উল্লিখিত শস্য আৰু ৰোগসমূহৰ বাদে অন্য শস্য আৰু ৰোগত প্ৰয়োগ নকৰিব। ২. শস্য হোৱাৰ পিছত প্ৰয়োগ নকৰিব। ৩. হাতপুথিত উল্লেখ কৰাৰ দৰে ব্যৱহাৰৰ পিছত পাত্ৰ নষ্ট কৰি পেলাওক। ৪. পলি ঘৰ আৰু আৱদ্ধ ঠাইৰ বাবে নিৰ্দেশনা আৰু মাত্ৰা-প্ৰচাৰ প্ৰত্ৰিকা চাওক ৫.মাছৰ বা বিষাক্ত।

ৰাসায়নিক গঠন :

উপাদান :	ওজন (% ডব্লিউ / ডব্লিউ)
চডিয়াম ডাই- ইচঐপ্ৰপাইল নেপথেলেন চাল্ফোনেট	৩.৫০
ডাইমেথঐমৰ্ফ টেক. (৯৫.৫০% ন্যূনতম বিশুদ্ধতা)	৫২.৩৫
লাইট কেঅঐলিন আই. পি. গ্ৰেড (৭৫ মাইক্ৰঐন- আকাৰ)	৪০.৬৫
কেলছিয়াম লিগ্নঐ চালফোনেট	৩.৫০
মুঠ	১০০

খালী পাত্ৰ পুনৰ্ব্যৱহাৰ কৰা বিপজ্জনক

কেৱল কৃষিভিত্তিক ব্যৱহাৰৰ বাবে

ഡൈമെത്തോമോർഫ് 50%ഡ.ൃപി

സോളിറൺ

(ആന്തരിക പ്രവർത്തനമുള്ള കുമിൾനാശിനി)

മുന്തിരി കൃഷിയിലെ ഡൗണിമിൽഡ്യു രോഗവും ഉരുളക്കിഴങ്ങ് കൃഷിയിലെ വിളംബിത വാട്ടവും തടയുന്നതിന് ഉപയോഗിക്കുന്ന ഒരു ആന്തരിക, ദേഹിക പ്രവർത്തനമുള്ള കുമിൾനാശിനി ആണ് ഡൈമെത്തോമോർഫ് 50%ഡ.ൃപി

ശുപാർശകൾ:

വിള	കീടത്തിന്റെ പൊതുവായ പേര്	ഡോസേജ്/ഹെക്ടറിന് എ.ഐ. (ഗ്രാം)	രൂപീകരണം (ഗ്രാം)	വെള്ളത്തിന്റെ അളവ് (ലി/)	അവസാനം തളിച്ചതുമുതൽ വിളവെടുപ്പുവരെ കാത്തിരിപ്പ് സമയം (ദിവസങ്ങൾ)
മുന്തിരി	ഡൗണിമിൽഡ്യു (പ്ലാസ്മോപാറ വിറ്റിക്കോല)	500	1000	750	25
ഉരുളക്കിഴങ്ങ്	വിളംബിത വാട്ടം (ഫൈറ്റോഫ്തോറ ഇൻഫെസ്റ്റൻസ്)	500	1000	750	16

ഉപയോഗ നിർദ്ദേശങ്ങൾ:

ആവശ്യമുള്ള അളവ് അളന്നെടുത്ത് കുറ.ു വെള്ളവുമായി കൂട്ടി യോജിപ്പിക്കുക. തുടർന്ന് ബാക്കി വെള്ളവും ചേർത്ത് ന. വണ്ണം ഇളക്കി യോജിപ്പിക്കുക. കൂടുതൽ അളവിൽ തളിക്കാനുള്ള നാപ്സാക് സ്പ്രേയർ പോലെയുള്ള ഹെവി വോള്യം സ്പ്രേകൾ ഉപയോഗിക്കുക.

പ്രയോഗ സമയം: രോഗനിരോധക ചികിത്സയായി ഉപയോഗിക്കുക

പുനപ്രവേശന കാലയളവ് : 24 മണിക്കൂർ

വിളയുടെ ഘട്ടം : മുകളിൽ പറഞ്ഞ വിളകളിൽ രോഗത്തിന്റെ പ്രാരംഭ ഘട്ടത്തിൽ പ്രയോഗിക്കേണ്ട കുമിൾനാശിനിയാണ് ഡൈമെത്തോമോർഫ് 50% wp

ആവൃത്തി : രോഗത്തിന്റെ തീവ്രതയെ ആശ്രയിച്ച് 2-3 തവണ പ്രയോഗിക്കുക

കാലാവസ്ഥ സാഹചര്യം : അനുകൂലമായ കാലാവസ്ഥയിൽ ഉപയോഗിക്കണം, തീവ്രമായ കാലവസ്ഥ സാഹചര്യങ്ങളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്.

മണ്ണും വെള്ളവും (ബാധകമാകുന്നിടത്ത്) : ഭാരം കുറഞ്ഞത് മുതൽ കനത്തതു വരെയുള്ള മണ്ണിൽ ഉപയോഗിക്കാം. സ്പ്രേ ചെയ്യാൻ ശുദ്ധജലം ഉപയോഗിക്കണം.

സസ്യങ്ങളിലെ വിഷത്വം : ശുപാർശ ചെയ്യുന്ന അളവിൽ ഉപയോഗിക്കുകയാണെങ്കിൽ സസ്യങ്ങൾക്ക് ഹാനികരമല്ല.

ഒരു വിളയിലും കീടനാശിനി പ്രയോഗിക്കാൻ പാടില്ലാത്ത ഘട്ടങ്ങൾ : വിള മൂപ്പെത്തിയ സമയത്തും വിളവെടുപ്പിന് തൊട്ടുമുമ്പും പ്രയോഗിക്കാൻ പാടില്ല. തേനീച്ച, കീടങ്ങളുടെ സ്വഭാവിക ശത്രുക്കൾ തുടങ്ങിയ മിത്ര കീടങ്ങൾക്ക് ദോഷം ചെയ്യാതിരിക്കാൻ മുൻകരുതൽ എടുക്കണം.

മുൻകരുതലുകൾ:

കണ്ണ.ചരലും.ചർമ്മത്ത.ചരലും ആകാതെ സൂ.ചരക്കുക. സംര.ണം നൽകുന്ന വീസ്ത്രം ധര.ചരക്കണം. ീപയോഗ സമയത്ത് ത.ചരന്നുകയോ, കുട.ചരക്കുകയോ, മുറുക്കുകയോ , പുക വല.ചരക്കുകയോ അരുത്. മരുന്ന് തള.ചരക്കു ശേഷം നന്നായ.ചര കുള.ചരക്കുകയോ ഷവർ ചെയ്യുകയോ ചെയ്യണം, വസ്ത്രം മാറ.ചര വൃത്ത.ചരയുള്ള വീസ്ത്രം ധര.ചരക്കുകയും വേണം. തളികഴിഞ്ഞ ശേഷം മലിനമായ വസ്ത്രങ്ങളും ശരീര ഭാഗങ്ങളും നല്ലവണ്ണം കഴുകണം. തളി നടക്കുമ്പോൾ എന്തെങ്കിലും തിന്നുകയോ, കുടിക്കുകയോ, മുറുക്കുകയോ, പുകവലിക്കുകയോ അരുത്.

വിഷബാധയുടെ ലക്ഷണങ്ങൾ:

ഉദാസിനത, ഉമിനീർവാർച്ച, ശ്വാസതടസ്സം, ഓക്കാനവും ഛർദ്ദിയും എന്നിവ ആയേക്കാം ആദ്യമായി കാണുന്ന ലക്ഷണങ്ങൾ.

പ്രഥമ ശുശ്രൂഷ: ചർമ്മത്തിലായാൽ വസത്രങ്ങൾ മാറ്റുക, ചർമ്മം ധാരാളം സോപ്പും വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ചു നല്ലവണ്ണം കഴുകുക. കണ്ണിൽ പോയാൽ ധാരാളം ശുദ്ധജലം ഒഴിച്ച് കണ്ണ് കഴുകുക. അകത്തു പോയാൽ ഛർദ്ദിക്കാൻ പ്രേരിപ്പിക്കരുത്, വായിലൂടെ ഒന്നും കഴിക്കാൻ കൊടുക്കരുത്. ഉടനെ ഡോക്ടറെ വിളിക്കുക.

മറുമരുന്ന്:

ീപത്യേക.ചരച്ച് മറുമരുന്നൊന്നും അറ.ചരവ.ചരല.ചരല്ല. ല.ണങ്ങൾക്കനുസര.ചരച്ച് ച.ചരക.ചരത്സ.ചരക്കുക.

ഒഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നറുകൾ കളയുന്ന വിധം:

1) പാക്കേജുകൾ, അധികം വന്ന കീടനാശിനി, മെഷീനുകളും പാത്രങ്ങളും കഴുകിയ വെള്ളം എന്നിവ പരിസര, ജല മലിനീകരണത്തിനു ഇടവരുത്താത്ത രീതിയിൽ വേണം കളയാൻ.
2) ഉപയോഗം കഴിഞ്ഞ പാക്കേജുകൾ വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കാൻ ഇട വരത്തക്കവിധത്തിൽ അലക്ഷ്യമായി വെളിയിൽ ഇടരുത്.
3) പാക്കേജുകൾ പൊട്ടിച്ച് ജനവാസമില്ലാത്ത സ്ഥലങ്ങളിൽ കുഴിച്ചിടണം.

സൂ.ചരച്ചു വയ്ക്കൽ:

1) കുമിൾനാശിനി അടങ്ങിയ പാക്കേജുകൾ, മറ്റു സാധനങ്ങൾ പ്രത്യേകിച്ചും ഭക്ഷ്യസാധനങ്ങൾ സൂക്ഷിക്കുന്ന മുറികളിൽ നിന്നോ കെട്ടിടങ്ങളിൽനിന്നോ ദൂരെമാറി പ്രത്യേകം മുറികളിലോ കെട്ടിടങ്ങളിലോ സൂക്ഷിക്കണം. അല്ലെങ്കിൽ കീടനാശിനിയുടെ അളവും തരവും അനുസരിച്ച് പ്രത്യേകം അലമാരകളിൽ അടച്ചുപൂട്ടി സൂക്ഷിക്കുകയുമാകാം.
2) സൂക്ഷിക്കുന്ന മുറി നല്ല കെട്ടുറപ്പുള്ളതും വെളിച്ചവും വായുസഞ്ചാരവുമുള്ളതും ആവശ്യത്തിന് വലിപ്പമുള്ളതും ആയരിക്കണം. സൂക്ഷിച്ചുവയ്ക്കുന്ന സ്ഥലം തണുപ്പുള്ളതും ഈർപ്പമില്ലാത്തതും ആയിരിക്കണം.

ജാഗ്രത: 1) ഈ ലേബലിൽ/ലഘുലേഖയിൽ നിർദ്ദേശിച്ചിട്ടുള്ളവയിൽ അല്ലാതെ മറ്റ് യാതൊരു വിളകളിലും കീടങ്ങളിലും ഈ ഉല്പന്നം ഉപയോഗിക്കുവാൻ പാടില്ല. 2) വിളവെടുപ്പിന് ശേഷമുള്ള റപയോഗത്തിന് ഉപയോഗിക്കരുത്. 3) കണ്ടെയ്നർ ഉപയോഗം കഴിഞ്ഞ ശേഷം ലഘുലേഖയിൽ നിർദ്ദേശിച്ചിട്ടുള്ള പ്രകാരം നശിപ്പിക്കുക. 4) പോളി ഹൗസുകൾക്കും അടച്ചു കെട്ടിയ സ്ഥലങ്ങൾക്കും ഉള്ള നിർദ്ദേശങ്ങൾക്കും ഡോസുകൾക്കും - ലഘുലേഖ നോക്കുക. 5)മത്സ്യത്തിന് വിഷം.

രാസഘടന:

ചേരുവകൾ	ഭാരം (%ക/ക)
സോഡിയം ഡൈ–ഐസോപ്രൊപയിൽ നാഫ്തലിൻ സൾഫോണേറ്റ്	3.50
ഡൈമെത്തോമോർഫ് ടെക്ക് (95.50% മിനിമം പ്യൂരിറ്റി)	52.35
ലൈറ്റ് കയോലിൻ എ. ൂ. ഗ്രേഡ് (75 മൈക്രോൺ സൈസ്)	40.65
കാൽഷ്യം ലിഗ്നോ–സൾഫോണേറ്റ്	3.50
ആകെ	100.00

ഒഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നർ വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കുന്നത് അപകടകരമാണ്.

കാർഷികാവശ്യത്തിനു മാത്രമുള്ള

ଡାଇମେଥୋମର୍ଫ 50% ଡବଲ୍ୟୁପି

ସୋଲୀଟନ

(ଅନ୍ତର୍ଭେଦୀ ଫିମ୍ପିନାଶକ)

ଡାଇମେଥୋମର୍ଫ 50% ଡବଲ୍ୟୁପି ହେଉଛି ଏକ ଅନ୍ତର୍ଭେଦୀ ଫିମ୍ପିନାଶକ ଯାହାର ଉପଯୋଗ ଅଙ୍ଗୁର ଫସଲରେ ହେଉଥିବା ଡାଉନୀ ମିଲ୍‌ଡିଉ ଏବଂ ଆଳୁ ଫସଲରେ ହେଉଥିବା ଉଛୁର ଅଙ୍ଗମାରୀ ରୋଗର ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ସକାଶେ କରାଯାଏ ।

ସୁପାରିଶ:

ସଲ ନାମ	ରୋଗର ଜଣାଶୁଣା ନାମ	ହେକ୍ଟର ପିଛା ମାତ୍ରା ସ.ଉ. (ଗ୍ରା)	ର୍ମୁଲେଶନ୍ (ଗ୍ରା)	ମିଶାଇବା ପାଣି (ଲିଟର)	ଶେଷ ସିଞ୍ଚନ ପରଠୁ ଅମଳ ମଧ୍ୟରେ ଅପେକ୍ଷା ଅବଧି (ଦିନ)
ଅଙ୍ଗୁର	ଡାଉନୀ ମିଲ୍‌ଡିଉ (ପ୍ଲାସ୍ମୋପାରା ଭିଟିକୋଲା)	500	1000	750	25
ଆଳୁ	ଉଛୁର ଅଙ୍ଗମାରୀ (ଫାଇଟୋଫ୍‌ଥୋରା ଇନ୍‌ଫେଷ୍ଟାନ୍‌ସ)	500	1000	750	16

ବ୍ୟବହାର ବିଧି :

ଆବଶ୍ୟକତା ଅନୁଯାୟୀ ଉତ୍ପାଦକୁ ଅଳ୍ପ ମାତ୍ରା ପାଣିରେ ଭଲଭାବରେ ମିଶାନ୍ତୁ । ବହଳିଆ ଭାବରେ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ପାଇଁ ବଳିଥିବା ପାଣିକୁ ମିଶାଇ ନାପ୍‌ସାକଖ ସ୍ପ୍ରେୟର ଏବଂ ହାଇ ଭଲ୍ୟୁମ୍ ସ୍ପ୍ରେ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ।

ପ୍ରୟୋଗ ସମୟ: ଏହାର ଉପଯୋଗ ପ୍ରତିରୋଧାତ୍ମକ ଉପଚାର ନିମନ୍ତେ କରାଯିବା ଜରୁରୀ ।

ପୁନଃପ୍ରବେଶ ଅବଧି : ୨୪ ଘଣ୍ଟା

ଫସଲ ଅବସ୍ଥା : ଡାଇମେଥୋମର୍ଫ ୫୦% ଡବଲ୍ୟୁ/ପି ହେଉଛି ଏକ ଫିମ୍ପିନାଶକ ଯାହାର ଉପଯୋଗ ଉପରବର୍ଣ୍ଣିତ ଫସଲରେ ରୋଗ ନୀରିକ୍ଷଣ ହେବା ସମୟରେ କରାଯିବା ଉଚିତ ।

ବାରମ୍ବାରତା : ୨–୩ ଥର, ରୋଗର ତୀବ୍ରତା ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ ।

ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି : ଅନୁକୂଳ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏହାର ଉପଯୋଗ କରାଯିବା ଉଚିତ ଏବଂ ପାଣିପାଗର ଚରମ ଅବସ୍ଥାରେ ଏହାର ଉପଯୋଗ କରାଯିବା ଅନୁଚିତ ।

ମୃତ୍ତିକା ଏବଂ ପାଣି (ଯେଉଁଠି ଆବଶ୍ୟକ) : ହାଲୁକା ରୁ ଟାଣ ମାଟି, ସିଞ୍ଚନ ନିମନ୍ତେ ସ୍ୱଚ୍ଛ ପାଣି ଉପଯୋଗ କରାଯିବା ଉଚିତ ।

ପାଦପବିଷାକ୍ତତା : ସୁପାରିଶକୃତ ମାତ୍ରାରେ ପ୍ରୟୋଗ କରାଗଲେ ଏହା ପାଦପ ବିଷାକ୍ତତା କରାଏ ନାହିଁ ।

ଯେକୌଣସି ଫସଲ ଉପରେ କୀଟନାଶକର ପ୍ରୟୋଗ ନ କରାଯିବାର ଅବସ୍ଥା : ଫସଲ ପରିପକ୍ୱ ସମୟରେ ଏହାର ପ୍ରୟୋଗ ଅନୁଚିତ ଏବଂ ଅମଳ ପୂର୍ବରୁ, ମହୁମାଛି, ଏବଂ କୀଟପୋକଙ୍କ ପ୍ରାକୃତିକ ଶତ୍ରୁ ଭଳି ଲାଭକାରୀ କୀଟପୋକଙ୍କୁ କ୍ଷତି ନପହଁଞ୍ଚାଇବା ପାଇଁ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରାଯିବା ଜରୁରୀ ।

ସତର୍କତା:

ଆଖି ଏବଂ ଚର୍ମ ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଯେପରି ଏହି କୀଟନାଶକ ନ ଆସିବ, ସେଥିପାଇଁ ସତର୍କ ରୁହନ୍ତୁ ସୁରକ୍ଷା ପ୍ରଦାନକାରୀ ପୋଷାକ ପିନ୍ଧନ୍ତୁ ସିଞ୍ଚନ ସମୟରେ କୌଣସି ଖାଦ୍ୟ, ପାନୀୟ କିମ୍ବା ତମାଖୁ ଚୋବାଇବା ଆଦି ମନା କିମ୍ବା ଧୂମ ପାନ କରନ୍ତୁ ନାହିଁ, ସିଞ୍ଚନ କ୍ରିୟା ସମାପନ ପରେ ଭଲ ଭାବରେ କୃତ୍ରିମ ବର୍ଷଣ ଯନ୍ତ୍ରରେ ଗାଧୋଇବା ସହିତ ପରିଷ୍କାର ଲୁଗା ବଦଳାଇ ପିନ୍ଧନ୍ତୁ

ସିଞ୍ଚନ ପରେ ସଂକ୍ରମିତ ଲୁଗାପଟା ଓ ଅଙ୍ଗପ୍ରତ୍ୟଙ୍ଗକୁ ଭଲକରି ଧୁଅନ୍ତୁ ସିଞ୍ଚିବା ବେଳେ ଖାନ-ପାନ, ଧୂମପାନ କି କିଛି ଚୋବାଇବା ଏଡ଼ାନ୍ତୁ

ବିଷାକ୍ତତାର ଲକ୍ଷଣ : ଆଳସ୍ୟ, ଲାଳବୋହିବା, ଶ୍ୱାସ–ପ୍ରଶ୍ୱାସରେ ସମସ୍ୟା ସହିତ ଅଇ ଉଠିବା, ବାନ୍ତି ହେବା ।

ପ୍ରଥମୋପଚାର :

ତ୍ୱଚା ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିଥିଲେ, ଦୂଷିତ ବସ୍ତ୍ରକୁ ଅଲଗା କରନ୍ତୁ, ତ୍ୱଚାକୁ ସାବୁନ୍ ଲଗେଇ (ଯଦି ଉପଲବ୍ଧ ଥାଏ) ପାଣିରେ ଧୁଅନ୍ତୁ, ପେଟକୁ ଯାଇଥିଲେ ବାନ୍ତି କରାନ୍ତୁ ନାହିଁ ଏବଂ ତୁଣ୍ଡ ଦ୍ୱାରା କିଛି ଦିଅନ୍ତୁ ନାହିଁ । ତୁରନ୍ତ ଡାକ୍ତରଙ୍କୁ ଡକାନ୍ତୁ ।

ବିଷଘ୍ନ:

କୌଣସି ଜଣାଶୁଣା ବିଷ-ନିବାରକ ନାହିଁ ଲକ୍ଷଣ ଦେଖି ଚିକିତ୍ସା କରାନ୍ତୁ

ବ୍ୟବହାରପରେ ସରିଯିବା ପ୍ୟାକେଟ୍‌ର ନଷ୍ଟ କରିବା ପ୍ରଣାଳି:

୧) ପ୍ୟାକେଜ୍ ବା ବଳକା ଦ୍ରବ୍ୟ ଓ ଯନ୍ତ୍ରପାତି ତଥା ପାତ୍ର ଆଦିର ଧୁଆଧୁଇ ପାଣିକୁ ପରିବେଷ୍ଟନୀ ଓ ପାଣି ପ୍ରଦୂଷିତ ନହେବା ଭଳି ନିରାପଦ ଭାବେ ନଷ୍ଟ କରିଦେବା।

୨) ସରିଯିବା ପ୍ୟାକେଜ୍‌କୁ କେହି ଅନ୍ୟକାମରେ ଲଗାଇ କ୍ଷତିଗ୍ରସ୍ତ ନହେବା ଲାଗି ତାକୁ ବାହାରେ ଛାଡନ୍ତୁ ନାହିଁ

୩) ପ୍ୟାକେଜ୍‌କୁ ଭାଙ୍ଗିଭୁଙ୍ଗି ଲୋକବସ୍ତି ଠାରୁ ଦୂରରେ ପୋତିଦେବା ଦରକାର ।

ମହଜୁଦକରଣ:

୧) ଫିମ୍ପିନାଶକ ଥିବା ପ୍ୟାକେଜ୍‌କୁ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଦ୍ରବ୍ୟ ବା ବିଶେଷ କରି ଖାଦ୍ୟପଦାର୍ଥ ରଖାଯାଉଥିବା ସ୍ଥାନ ଠାରୁ ଅଲଗା ଏକ ସ୍ଥାନ/ କୋଠରୀରେ ମହଜୁଦ କରିବା ଦରକାର, କିମ୍ବା ତାହାର ଗୁଣ ଓ ପରିମାଣ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ଏକ ଖାଲି ଆଲମାରୀରେ ତାଲା ପକାଇ ରଖିବା ଦରକାର ।

୨) ଫିମ୍ପିନାଶକ ମହଜୁଦ କରାଯିବା କୋଠରୀଟି ମଜବୁତ, ଶୁଖିଲା, ଆଲୋକିତ, ବାୟବୀୟ ଏବଂ ପ୍ରଶସ୍ତ ହେବା ଦରକାର ଯେପରି ଏହାର ବାଷ୍ପଦ୍ୱାରା ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷଣ ଘଟିବ ନାହିଁ ।

ରାସାୟନିକ ସଂଗଠନ :

ସତର୍କତା : ୧ ଲେବଲ୍ ଓ ଲିଫ୍‌ଲେଟ୍‌ରେ ଉଲ୍ଲେଖ ନଥିବା ଫସଲ ଓ କୀଟ ପୋକମାନଙ୍କ ଉପରେ ଏହାକୁ ବ୍ୟବହାର କରାଯିବ ନାହିଁ । ୨. ଅମଳ ପରବର୍ତ୍ତୀ ପ୍ରୟୋଗ ପାଇଁ ଏହାକୁ ବ୍ୟବହାର କରାଯିବ ନାହିଁ । ୩. ଲିଫଲେଟ୍‌ରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ପ୍ରକାରେ ବ୍ୟବହାର ପରେ ପାତ୍ରକୁ ନଷ୍ଟ କରନ୍ତୁ । ୪. ପଲିହାଉସେସ୍ ଓ ଆବଦ୍ଧ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏହାର ପ୍ରୟୋଗ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଓ ମାତ୍ରା ନିମନ୍ତେ ଲିଫ୍‌ଲେଟ୍‌କୁ ଦେଖନ୍ତୁ । ୫.ମାଛଙ୍କ ପାଇଁ ବିଷାକ୍ତ ।

ଉପାଦାନ :	ଓଜନ (% ଡବଲ୍ୟୁ/ଡବଲ୍ୟୁ)
ସୋଡିଅମ୍ ଡାଇ–ଆଇସୋପ୍ରୋପାଇଲ୍ ନାପ୍‌ଥାଲୀନ୍ ସଲ୍‌ଫୋନେଟ୍	3.50
ଡାଇମେଥୋମର୍ଫ ଟେକ୍ (95.50% ନ୍ୟୁନତମ ଶୁଦ୍ଧତା)	52.35
ହାଲୁକା କାଓଲିନ୍ ଆଇ.ପି. ଗ୍ରେଡ୍ (75 ମାଇକ୍ରନ୍–ସାଇଜ୍)	40.65
କାଲ୍‌ସିଅମ୍ ଲିଗ୍ନୋ ସଲ୍‌ଫୋନେଟ୍	3.50
ମୋଟ	100.00

ଖାଲି ପ୍ୟାକେଟ ବା ବୋଟଲକୁ କୌଣସି କାମରେ ପୁଣି ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ।

ଏବଂ କୃଷି ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ

ڈیمیتھو مورف ٪۵۰ ڈبلیو پی

سولیٹن

(لمسی پھپھوند کش)

ڈیمیتھومورف ۵۰٪ ڈبلیو پی ایک لمسی پھپھوندکش دوا ہے جسے استعمال کیا جاتا ہے انگور کی فصل کے تنوں میں لگنے والی پھپھوندی بیماری کو کنٹرول کرنے کیلئے اور آلو کی فصل میں لگنے والی پتوں کی بیماریوں کو کنٹرول کرنے کیلئے۔

استعمال :

فصل	بیماریوں کے عام نام	ڈوز / ہیکٹر اے۔آئی۔ (گرام)	گھول (گرام)	پانی (لیٹر)	انتظار کی مدت (دنوں)
انگور	تنے میں لگنے والا پھپھوند (پلاسموپاراویٹیکولا)	۵۰۰	۱۰۰۰	۷۵۰	۲۵
آلو	تاخیر سے لگنے والی بیماریاں (پھائٹوپھتھورا انفیسٹنس)	۵۰۰	۱۰۰۰	۷۵۰	۱۶

دوا کی مطلوبہ مقدار کو تخمینہ کر کے نکالئے اور اسے تھوڑے سے پانی میں ملائیے۔ خوب اچھی طرح سے ملانے کے بعد پانی کی باقی ماندہ مقدار اس میں ڈالئے اور اس کو زور سے ہلا کر ملائیے۔ چھڑکاؤ کرنے کیلئے نیپ سیک اسپریئر یا ہائی ویلیوم اسپریئر استعمال کریں۔

استعمال کا وقت: پروفلیکٹک علاج کے طور پر استعمال کرنے کیلئے

دوبارہ داخل ہونے کا وقت: 24 گھنٹے

فصل کا مرحلہ: ڈیمیتھومورف 50% ڈبلیو پی ایک ایسا پھپھوندکش ہے جنہیں بیماری کی شدت کے حامل مذکورہ بالا فصلوں پر استعمال کیا جاسکتا ہے۔

فریکوئنسی: مرض کی شدت کی بنیاد پر 2 تا 3 مرتبہ۔

موسم کی صورتحال: موسم کی حالت بہتر ہونے پر استعمال کرنا چاہئے اور اسے انتہائی سخت موسم میں استعمال نہیں کرنا چاہئے۔

مٹی اور پانی (جہاں قابل اطلاق ہو): ہلکی تا بھاری مٹی، چھڑکاؤ کیلئے صاف پانی استعمال کریں۔

فائٹوٹاکسی سٹی: تجویز کردہ مرحلے پر کوئی فائٹوٹاکسک نہیں۔

وہ مراحل جن کے دوران پھپھوند کش کا کسی فصل پر استعمال نہیں کرنا چاہئے: فصل کی میچیورٹی کے وقت اور فصل کی کٹائی سے عین پہلے استعمال نہیں کرنا چاہئے۔ شہد کی مکھیوں اور کیڑوں کے فطری دشمن جیسے فائدہ مند کیڑے کو نقصان پہنچانے سے گریز کرنا چاہئے۔

احتیاط :

۱۔ گھول بناتے وقت چمڑی پر نہ لگنے دیں اور نہ ہی ناک میں داخل ہونے دیں۔ اسے ننگے ہاتھوں سے نہ ملائیں۔
۲۔ استعمال کرنے والے کو مکمل احتیاطی کپڑے پہننا چاہئے جیسے کہ ربڑ کے دستانے، جوتے، چہرے کو محفوظ رکھنے والا شیلڈ یا ماسک اور ربڑ کی ٹوپی یا ہیٹ۔
۳۔ چھڑکاؤ کرنے کے بعد آلودہ ہوئے کپڑے اور جسم کے حصوں کو پوری طرح دھولیں۔
۴۔ چھڑکاؤ کرنے کے دوران نہ کچھ کھائیں پئیں، نہ ہی سگریٹ بیڑی پئیں۔

زہر کی علامات :

ابتدائی علامات میں سے ہیں چکر آنا، متلی، نظام تنفس میں خرابی، بے ہوشی اور قے ہونا۔

ابتدائی طبی امداد :

اگر چمڑی پر لگ جائے تو متاثرہ کپڑوں کو نکالئے، چمڑی کو پانی سے اور اگر دستیاب ہو تو صابن سے دھلئے۔ اگر آنکھ میں داخل ہوجائے تو زیادہ پانی سے دھل کر صاف کریں۔ اگر پیٹ میں چلا گیا ہے تو متاثرہ شخص سے قے نہ کرائیں اور نہ ہی منہ کے راستے سے کوئی چیز دیں۔ فوراً ڈاکٹر کے پاس لے جائیں۔

تریاق :

کوئی مخصوص تریاق موجود نہیں ہے۔ علامات کے مطابق مریض کا علاج کریں۔

ڈبوں کو ضائع کرنا :

۱۔ پیکٹوں یا باقی بچا ہوا مادہ اور مشین کو دھلنے کیلئے استعمال کیا گیا پانی اور ڈبوں کو محفوظ طریقہ سے ضائع کرنا چاہئے تاکہ فضائی اور آبی آلودگی سے بچا جاسکے۔
۲۔ استعمال شدہ پیکٹوں کو باہر نہیں چھوڑنا چاہئے تاکہ ان کے دوبارہ استعمال سے بچا جاسکے۔
۳۔ پیکٹوں کو توڑ کر رہائشی علاقوں سے دور لے جا کر دفن کردینا چاہئے۔

ذخیرہ اندوزی :

۱۔ پھپھوندکش دوا کی پیکٹوں کو الگ کمروں یا جگہوں پر رکھیں اور یہ ان جگہوں اور کمروں سے دور ہونا چاہئے جنہیں دوسری چیزوں کی ذخیرہ اندوزی کیلئے استعمال کیا جاتا ہو خاص طور سے غذائی اشیاء کیلئے یا الگ الماری میں تالا لگا کر رکھنا چاہئے اس کا انحصار ہوگا پھپھوندکش دوا کی مقدار اور خاصیت پر۔
۲۔ پھپھوندکش دوا کی ذخیرہ اندوزی کیلئے کمروں یا جگہوں کو اچھی طرح تعمیر شدہ، ہوادار، روشن اور مناسب حدود دار بعہ میں تعمیر شدہ ہونا چاہئے تاکہ بخارات سے بچا جاسکے۔

تنبیہ: 1. اس لیبل اور لیف لیٹ میں درج فصلوں اور کیڑوں کے علاوہ پر اس کا استعمال نہ کریں۔ 2. کٹائی کے بعد چھڑکاؤ نہ کریں۔ 3. استعمال کے بعد کنٹینرز کو لیف لیٹ میں بتائے گئے طریقے سے ضائع کریں۔ 4. متعدد مکانات اور محدود علاقے کی ہدایات اور خوراک کے لئے لیف لیٹ دیکھیں۔ 5. مچھلی کیلئے زہریلا۔

کیمیاوی ترکیب :

مرکبات	فیصد (٪وزن/ وزن)
کلشیم لیگنوسلفونیٹ	۳٫۵۰
ڈیمیتھومورف ٹیک (کم از کم ۹۵٫۵۰٪ خالص)	۵۲٫۳۵
ہلکا کاولین آئی۔ پی۔ گریڈ (۷۵ میکرون۔ سائز)	۴۰٫۶۵
سوڈیم ڈی۔ آئسو پروپائل نیپتھالین سلفونیٹ	۳٫۵۰
کل	۱۰۰٫۰۰

دوا کے خالی ڈبوں کا دوبارہ استعمال خطرناک ہوسکتا ہے۔

صرف زراعتی استعمال کے لیے کیڑے ماردوا